• जयपुर, शुक्रवार, 27 सितंबर 24 • वर्ष 14 • अंक 42 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भाजपा के लिए माँगे वोट...

पेज @4 खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने किया 14 वर्षीय फुटबॉल ...

पेज @8 चिकित्सा मंत्री ने किया टोबेको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 का शुभारम्भ...

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

92 साल के हुए पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, प्रधानमंत्री मोदी-राहुल गांधी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली/एजेंसी। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उनके 92वें जन्मदिन पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड×गे समेत कई नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

मनमोहन सिंह भारत के 13वें प्रधानमंत्री थे और उनका जन्म 26 सितंबर, 1932 को हुआ था। वह एक अर्थशास्त्री भी हैं, भारत की अर्थव्यवस्था को नए आयाम देने में उनकी आर्थिक नीतियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने मनमोहन सिंह को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। मैं प्रार्थना करता हूं कि उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन मिले।

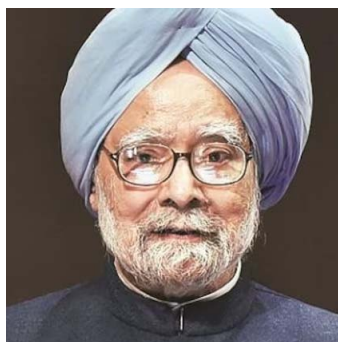

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को उनके जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं। राजनीति के क्षेत्र में वह सादगी, गरिमा और सरलता के एक दुर्लभ अवतार के रूप में खड़े हैं। एक दूरदर्शी राजनेता, जिनके कार्यों ने शब्दों से अधिक जोर दिया, हम राष्ट्र के लिए उनके जबरदस्त और अमूल्य योगदान के लिए गहराई से आभारी हैं। उनके अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाली और लंबी उम्र की कामना करता हूं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, डॉ. मनमोहन सिंह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे देश के भविष्य को आकार देने में आपकी विनम्रता, बुद्धिमत्ता और निस्वार्थ सेवा मुझे और लाखों भारतीयों को प्रेरित करती रहेगी। मैं हमेशा आपके अच्छे स्वास्थ्य और खुशी जीवन की कामना करता हूं!

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने देश के आर्थिक सुधारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए उन्होंने उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण से जुड़े कई ऐलान किए, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली।

हरियाणा में बीजेपी हैट्रिक लगाने जा रही: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को हरियाणा के दौरे पर रहे। उन्होंने हरियाणा में विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र तीन जनसभाओं को संबोधित किया। सोनीपत की सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के लोग देश के टुकड़े करने वाली गैंग के साथ खड़े हैं। यह लोग देश को खंड-खंड करने वाली विचारधारा वाले लोगों से जाकर मिलते हैं। राहुल गांधी बताएं कि उनका ऐसे लोगों से क्या कनेक्शन है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश में सबसे ज्यादा राज किया, जनता को बरगलाया और उसने सिर्फ लूट और झूठ का ही काम किया। कांग्रेस ही देश में भ्रष्टाचार की जननी है।

देश में कांग्रेस से बड़ी झूठी और भ्रष्ट पार्टी नहीं

समालखा में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश में कांग्रेस से बड़ी झूठी, भ्रष्ट और बेईमान कोई पार्टी नहीं है। कांग्रेस की शुरू से ही यह आदत रही है कि चुनाव जीतने के लिए वे लोगों से तरह-तरह के झूठे वादे करती है। देश में अराजकता का माहौल पैदा करते हैं, लेकिन उनका किसान, मजदूर, महिला, युवा किसी के भी हितों से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन काल में हुए 1984 के दंगों में सिक्खों के साथ क्या हुआ, ये पूरा देश जानता है। देश ने कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल की स्थितियां भी झेली है।

हरियाणा में बीजेपी हैट्रिक लगाने जा रही

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इंद्री विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी प्रत्याशी रामकुमार कश्यप के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार बीजेपी हरियाणा में तीसरी बार जीत का परचम लहराते हुए हैट्रिक लगाने जा रही है।

पेपरलीक में 150 लोग पकड़े, अभी ओर आने वाले है

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में हमने जनता से संकल्प पत्र में किए 50 प्रतिशत वादों को पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में राजस्थान में 19 में से 17 पेपरलीक हुए। हमने युवाओं से वादा किया था कि हमारी सरकार आने पर इसकी जांच करवाएंगे।

सरकार बनते ही हमने एसआईटी गठित की और कार्रवाई करते हुए 150 लोगों को जेल की सलाखों में डाला, अभी तो ओर आने वाले हैं। उन्होने कहा कि राजस्थान में जब कांग्रेस की सरकार थी, तब किसानों का बाजरा 1200 से 1300 रूपए प्रति क्विंटल की कीमत पर बिका। वहीं हरियाणा में बीजेपी सरकार में 2200 रूपए प्रति क्विंटल से अधिक की कीमत पर बाजरा बिका। कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा के मेहनतकश किसानों की कीमती जमीनें लीं, लेकिन अब बीजेपी की सरकार में 24 फसलों पर बढ़ी हुई एमएसपी का लाभ किसान को मिल रहा है।

न्यूज अपडेट

बेंगलुरु महालक्ष्मी मर्डर केस : मुख्य आरोपी ने किया सुसाइड, पेड़ पर लटकता मिला शव

नई दिल्ली/एजेंसी। बेंगलुरु मर्डर केस में पुलिस को जिस शख्स पर महालक्ष्मी की हत्या कर उसके शरीर के 59 टुकड़े करने का शक था, उसने ओडिशा में आत्महत्या कर ली है। महालक्ष्मी के संदिग्ध कातिल का शव ओडिशा में एक पेड़ से लटका मिला है। उसके पास से एक सुसाइड़ नोट भी मिला है, जिसमें उसने जाते-जाते हत्या की बात कबूल की है। 30 साल के आरोपी मुक्ति रंजन रे का शव ओडिशा के भद्रक जिले के धुसुरी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले एक गांव में मिला। आरोपी कातिल मुक्ति रंजन रे कथित तौर पर फरार चल रहा था। स्थानीय पुलिस ने बेंगलुरु पुलिस को इसकी जानकारी दी। बेंगलुरु पुलिस इलाके में संदिग्ध की तलाश कर रही थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आरोपी रंजन मंगलवार को अपने गांव गया था, लेकिन बाद में वह घर से निकल गया और उसका शव गांव के बाहर मिला।

परिजनों ने शव की शिनाख्त कर ली है और उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जानकारी जुटाने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

पीएम किसानः 5 अक्टूबर को मोदी सरकार जारी करेगी 18वीं किस्त

नई दिल्ली/एजेंसी।

किसानों के खातों में आएंगे 2000 रुपए

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएम किसान सम्मान निधि के तहत देश के करोड़ों किसानों के लिए खुशखबरी है। सरकार ने नवरात्रि के दौरान किसानों के खातों में 2000 रुपये की अगली किस्त जारी करने का फैसला किया है। पीएम किसान सम्मान निधि की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 अक्टूबर को किसानों के लिए 18वीं किस्त जारी करेंगे। इस योजना के तहत सरकार देश के छोटे और सीमांत किसानों को सालाना 6000 रुपये की आर्थिक मदद देती है। यह राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से भेजी जाती है। योजना का लाभ लेने के लिए किसानों का ई-केवाईसी होना अनिवार्य है। ई-केवाईसी के माध्यम से किसान अपनी पहचान की पुष्टि कर सकते हैं। किसान ऑनलाइन ओटीपी के माध्यम से या कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर अपनी अंगुली या चेहरे के निशान के माध्यम से ई-केवाईसी करा सकते हैं।

योजना का उद्देश्य

» पीएम किसान सम्मान निधि योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस योजना के माध्यम से किसानों को खेती के लिए आवश्यक खर्च जैसे बीज, खाद और सिंचाई के लिए धनराशि मिलती है।

कैसे करें ई-केवाईसी

» किसान पीएम किसान पोर्टल पर जाकर या मोबाइल ऐप के माध्यम से ओटीपी के जरिए ई-केवाईसी कर सकते हैं। इसके अलावा, किसान कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर भी बायोमेट्रिक तरीके से ई-केवाईसी करा सकते हैं।

मानहानि मामले में शिवसेना नेता संजय राउत को दोषी करार : 15 दिन की कैद और 25,000 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश

महाराष्ट्र/एजेंसी। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मझगांव ने भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी डॉ. मेधा किरीट सोमैया की शिकायत पर मानहानि मामले में शिवसेना नेता संजय राउत को दोषी ठहराया। डॉ. मेधा किरीट सोमैया के वकील विवेकानंद गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया अदालत ने संजय राउत को 15 दिन की कैद और 25,000 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया। बीजेपी नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट ने राउत के खिलाफ केस दर्ज कराया था। मेधा ने उन पर 100 करोड़ रुपये के मानहानि का मुकदमा दायर किया था। दरअसल, राउत ने मेधा पर 100 करोड़ रुपये के शौचालय घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया था। राउत के आरोपों को मेधा ने सिरे से खारिज कर दिया था और कहा था कि उन पर लगाए गए राउत के आरोप निराधार और अपमानजनक प्रकृति के हैं।

पूर्व ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की जमानत पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई टली, 4 अक्टूबर तक गिरफ्तारी से राहत

नई दिल्ली/एजेंसी। बर्खास्त ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की अंतरिम जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई फिर से टल गई है। वकीलों ने कोर्ट में अपना पक्ष रखने के लिए और समय मांगा है, और अब इस मामले की सुनवाई 4 अक्टूबर को होगी। इस बीच, पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से राहत मिलती रहेगी। पहले 5 सितंबर को हुई सुनवाई में पूजा ने कोर्ट को बताया था कि वह अपनी विकलांगता की जांच एम्स में कराने के लिए तैयार हैं। 4 सितंबर को दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट को एक स्टेटस रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें कहा गया था कि पूजा द्वारा यूपीएससी में जमा किए गए दो विकलांगता प्रमाणपत्रों में से एक फर्जी हो सकता है। सुनवाई के दौरान जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने बताया कि पुलिस ने मामले में और जांच के लिए 10 दिन का समय मांगा है, जिसके चलते सुनवाई स्थगित की गई। इसके अतिरिक्त, 19 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने यूपीएससी की तरफ से दाखिल की गई याचिका पर नोटिस जारी किया और पूजा को 26 सितंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। यूपीएससी ने पूजा खेडकर पर झूठे दस्तावेज प्रस्तुत करने का आरोप लगाया है और कार्रवाई की मांग की है।

पहलवान विनेश फोगाट को पता-ठिकाना न बताने पर नाडा ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने सेवानिवृत्त पहलवान विनेश फोगाट को पता-ठिकाना न बताने का नोटिस दिया है। इस पहलवान का मूत्र नमूना लेने के लिए टीम भेजी गयी थी क्योंकि वह पेरिस ओलंपिक खेलों में पदक जीतने से चूक गयी थीं। फाइनल की सुबह उनका वजन 100 ग्राम अधिक होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। नोटिस में बताया गया है कि 9 सितंबर को हरियाणा के सोनीपत में विनेश के निवास पर डोप नियंत्रण अधिकारी को भेजा गया था, उस समय जब उन्होंने बताया था कि वह वहां उपलब्ध रहेंगी।

मुंबई में बारिश से मचा हाहाकार हाईटाइड का अलर्ट

मुंबई/एजेंसी

स्कूल-कॉलेज बंद, अब तक 4 की मौत

मुंबई में गुरुवार को और बारिश की आशंका है। इस वजह से अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर स्कूल-कॉलेज बंद करने की घोषणा की है। मुंबई में अब तक मूसलाधार बारिश में कम से कम चार लोगों की मौत हो चुकी है।

मुंबई में बुधवार को अचानक हुई बारिश ने लाखों लोगों को चौंका दिया। बारिश के कारण शाम के व्यस्त समय में घर जाने के लिए दौड़ रहे यात्री फंस गए। इस दौरान अंधेरी पूर्व एमआईडीसी क्षेत्र में खुले नाले में डूबकर 45 वर्षीय महिला विमल ए. गायकवाड़ सहित तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं रायगढ़ के खोपोली क्षेत्र में जेनिथ वॉटरफॉल के पास एक अन्य महिला की डूबने से मौत हो गई। भारी बारिश के कारण मुंबई, ठाणे, पुणे के बड़े हिस्से में बाढ़ आ गई। वहीं शाम के व्यस्त समय में घर जाने के लिए दौड़ रहे लाखों यात्री फंस गए, जिससे भारी अफरातफरी मच गई। व्यवसायी संदीप विश्वम्भर तलोजा से पवई जा रहे थे। वह रास्ते में ट्रैफिक जाम में फंस गए और उन्हें उस यात्रा में लगभग 4-5 घंटे लग गए। जबकि उन्हें अपनी यात्रा को पूरा करने में एक घंटे का समय लगता है।

शेयर बाजार के सलाहकार राजेश शाह ने कहा कि वह किसी तरह जलभराव वाली सड़कों और भारी ट्रैफिक जाम से निपटकर सायन से बोरीवली तक पांच घंटे में घर पहुंचे। आमतौर पर बोरीवली तक पहुंचने में एक घंटा लगता है। पूर्वी मुंबई के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। मानखुर्द में 275 मिमी, पवई में 260 मिमी, विक्रोली में 230 मिमी और कई अन्य क्षेत्रों में आज सुबह तक 150 मिमी से अधिक तथा 200 मिमी से ज्यादा बारिश हुई है। बीएमसी ने कहा कि गुरुवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में मुंबई में भारी बारिश दर्ज की गई। मुंबई शहर 117.18 मिमी; पूर्वी उपनगरों में 170.58 मिमी; और पश्चिमी उपनगरों में 108.75 मिमी बारिश हुई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई को आज (गुरुवार) के लिए ऑरेंज अलर्ट पर रखा गया है।

विकसित भारत के लिए पर्यटन

एक दशक पहले तक भारतीय पर्यटन को पर्यटन क्षेत्र में अन्य देशों के समकक्ष या उनसे आगे स्थापित करने के लिए भी एक ब्रांड एम्बेसडर की जरूरत सामान्य बात थी। जिस तरह अन्य देश अपने देश के पर्यटन के प्रचार-प्रसार के लिए सुविख्यात फिल्मी सितारों और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों पर विज्ञापन राशि खर्च कर रहे थे उसी तरह यहाँ भी यह महसूस किया गया कि अतुल्य भारत को एक नया रूप दिए जाने की आवश्यकता है।

पिछले एक दशक और पिछले 100 दिनों से भारत के केन्द्रीय पर्यटन मंत्री के रूप में कार्य करते हुए मैंने सभी को यह कहते सुना कि इस देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि हमारे बीच एक ऐसे नेता हैं जो न केवल हमारे प्रधानमंत्री हैं बल्कि वे अतुल्य भारत के सबसे बड़े वैश्विक ब्रांड एम्बेसडर और हिमायती हैं। अपनी हर भूमिका में, वे भारत की बेहतरी के लिए काम करते हैं। एक प्रधानमंत्री के रूप में वे निरंतर हमें यह याद दिलाते हैं कि हमें देश में पर्यटन की समग्र प्रगति और विकास के लिए 'सरकार के प्रत्येक स्तर' पर कार्य करना है। लगभग 1,50,000 किलोमीटर लम्बा सड़क नेटवर्क बनाए जाने, बेहतर हवाई कनेक्टिविटी के लिए 500 नए हवाई रुट और 150 हवाईअड्डे शुरू किए जाने, तेज गति वाली वंदेभारत ट्रेनों की शुरूआत और लगभग 100 पर्यटन परियोजनाओं को पूरा किए जाने के परिणामस्वरूप भारत में 250 करोड़ घरेलू पर्यटक यात्राएं (डीटीवी) दर्ज की गईं जो वर्ष 2014 में भारत द्वारा दर्ज 128 करोड़ घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) का लगभग दोगुना है। इस राष्ट्र के वैश्विक प्रतिनिधि के रूप में वे अतुल्य भारत के विस्मयकारी पहलुओं को विश्व के समक्ष रखने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं। उनके नेतृत्व में भारत की जी-20 अध्यक्षता इस मायने में अनूठी रही कि इन बैठकों का आयोजन देशभर के 60 अलग-अलग स्थानों पर किया गया।

प्रधानमंत्री का यह विजन था कि भारत की जी-20 अध्यक्षता को माध्यम बनाकर इन 60 गंतव्यों की पर्यटन पेशकशों के साथ-साथ उनकी संस्कृति, क्विज़ीन तथा शिल्प की वैश्विक मंच पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। पिछले वर्ष जी-20 के कारण पर्यटन में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप वर्ष 2023 में भारत के पर्यटन क्षेत्र में होटल के नए कमरे सबसे अधिक संख्या में बनाए गए। एक जन-नायक के रूप में उन्होंने विश्व की यात्रा पर निकलने से पहले अपने देश भारत को देखने-समझने के लिए राष्ट्र को 'देखो अपना देश' के लिए प्रेरित किया है। स्वच्छता के महत्व की सीख देकर उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि उत्तरदायी पर्यटन हम सभी का सहज स्वभाव बन जाए। हर अवसर पर वे वैश्विक प्रवासी भारतीयों को अतुल्य भारत का प्रतिनिधि बनने की उनकी भूमिका निरंतर याद दिलाते हैं कि वे अपने विदेशी मित्रों और परिचितों को इस बात की जानकारी दें कि भारत की यात्रा किस प्रकार उनके लिए अविस्मरणीय हो सकती है। सोशल मीडिया पर सबसे ज़्यादा फॉलो किए जाने वाले वैश्विक नेताओं में से एक के रूप में उनके द्वारा लक्षद्वीप, काजीरंगा, कन्याकुमारी, श्रीनगर और अन्य कई स्थलों की यात्रा करने मात्र से घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों में ऐसे गंतव्यों की यात्रा करने और भारत की कम लोकप्रिय पर्यटन पेशकश का अनुभव करने की अभूतपूर्व रुचि देखी गई है। पर्यटन में प्रधानमंत्री की निजी रूचि और भागीदारी को और अधिक स्पष्ट करने के लिए मैं आप सबको यह बताना चाहूंगा कि उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के पर्यटन विभाग में मुझे अपनी सेवा प्रदान करने का अवसर देते समय कहा था कि वे मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप रहे हैं। तब से मेरा निरंतर यह प्रयास रहा है कि समावेशी सामाजिक-आर्थिक प्रगति और विकास के माध्यम के रूप में पर्यटन क्षेत्र के महत्व को ध्यान में रखते हुए हम भारत में इसके लिए एक व्यावसायिक योजना तैयार करें। अवसंरचना विकास में भारत द्वारा तेजी से की जा रही प्रगति का लाभ उठाते हुए नए पर्यटन गंतव्य विकसित करना इस व्यावसायिक योजना का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। नए भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए और अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेते हुए पर्यटकों के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने के लिए इन नए गंतव्यों की परिकल्पना की गई है। वर्ष 1947 में हमारी स्वतंत्रता से लेकर वर्ष 2014 तक भारत में किसी पर्यटक गंतव्य को शुरूआत से समग्र और समावेशी तरीके से विकसित करने का एक भी उदाहरण देखने को नहीं मिलता है।

वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री द्वारा विश्व को एकता नगर और स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की भेंट देने के बाद से इसमें परिवर्तन आया है। प्रधानमंत्री के विज़न के अनुरूप एकता नगर में पर्यटन को प्रमुख आधार के रूप में विकसित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए और अनेक उपाय किए गए। रोज़मर्रा के आधार पर गंतव्य के रखरखाव और प्रबंधन के लिए विशिष्ट स्टेच्यू ऑफ यूनिटी क्षेत्र विकास और शासन प्राधिकरण स्थापित करने के साथ-साथ अंतिम बिंदु तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित की गई। स्थानीय लोगों और युवाओं को पर्यटन से संबंधित सेवाओं और कार्यों के संबंध में प्रशिक्षित करने के लिए कौशल विकास केंद्रों की स्थापना की गई। अच्छे होटल, रिज़ॉर्ट और अन्य आवास स्थापित करने के लिए निजी निवेशों को शामिल किया गया। पीपीपी मोड में विभिन्न थीमों में अनेक नए आकर्षणों, कार्यकलापों और अनुभवों की शुरूआत की गई।

इन सभी और अन्य कई कार्यकलापों के कारण एकता नगर में पर्यटकों की संख्या वर्ष 2018 में 4.5 लाख से 10 गुना बढ़कर वर्ष 2023 में 45 लाख हो गई थी। इसके अलावा, इन सभी प्रयासों से एकता नगर के स्थानीय लोगों के लिए पर्यटन अर्थव्यवस्था के माध्यम से आजीविका के नए साधन का सृजन हुआ है। एकता नगर के माध्यम से प्रधानमंत्री ने हमें पर्यटन विकास और संवर्धन का एक नया मॉडल दिया है। एक ऐसा मॉडल जिसे ऐसे प्रतिष्ठित पर्यटक स्थलों का सृजन करने के लिए एक उदाहरण के रूप में अपनाया जा सकता है। स्वदेश दर्शन और प्रतिष्ठित पर्यटक गंतव्यों के विकास जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा स्थापित मॉडल से प्रेरणा लेते हुए, पर्यटन मंत्रालय अब 'सरकार के हर स्तर पर' चयनित गंतव्यों को विकसित करने के संयुक्त प्रयासों द्वारा देश में पर्यटन संबंधी गंतव्य विकास की अगुआई कर रहा है। ऐसे अधिक प्रभावकारी हस्तक्षेपों की शुरूआत के प्रयास किए जा रहे हैं जो विभिन्न गंतव्यों में पर्यटक अनुभव को पूरी तरह से बदल सकते हैं। साथ ही, निजी निवेश को सार्वजनिक निवेश का पूरक बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि भारत में पर्यटन संबंधी गंतव्य विकास के लिए दोनों एक संयुक्त शक्ति के रूप में कार्य कर सकें। इन गंतव्यों में मंत्रालय की विभिन्न पहलों के माध्यम से, कौशल निर्माण और डिजिटलीकरण जैसे पर्यटन साधनों को बेहतर बनाने के लिए भी कार्रवाई की जा रही है ताकि पर्यटन के लाभ उस गंतव्य में ही स्थानीय समुदायों और व्यक्तियों को प्राप्त हो सकें।

पर्यटन से पनपती है शांति और मुस्कान की संभावनाएं

ललित गर्ग

विश्व पर्यटन दिवस दुनियाभर में पर्यटन के महत्व और इसके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव को उजागर करने के लिए मनाया जाता है। हर साल 27 सितंबर को आयोजित होने वाला यह दिन अंतरराष्ट्रीय एकता, शांति, सौहार्द और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने में पर्यटन की शक्ति की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित करता है। इस दिवस की 2024 की थीम है 'पर्यटन और शांति।' दुनिया में शांति एवं अयुद्ध को बढ़ावा देने में पर्यटन की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अंतर-सांस्कृतिक बातचीत को प्रोत्साहित करता है। लोग जितना अधिक यात्रा करते हैं, उतना ही वे विविध संस्कृतियों का अनुभव करते हैं, जिससे अधिक सहिष्णुता और समझ विकसित होती है, एक दूसरे के नजदीक आने का अवसर मिलता है। इससे शांति, अमन एवं सौहार्द का वातावरण निर्मित होता है। पर्यटन बाधाओं को तोड़ सकता है और राष्ट्रों के बीच स्थायी बंधन बना सकता है। यह रोजगार प्रदान करके और स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देकर स्थानीय समुदायों को ऊपर उठाने में भी मदद करता है, इस प्रकार क्षेत्रों की दीर्घकालिक शांति और समृद्धि में योगदान देता है। पर्यटन न केवल एक आर्थिक चालक है, बल्कि एक अधिक समावेशी और शांतिपूर्ण दुनिया बनाने का एक साधन भी है। पर्यटन क्षेत्र वैश्विक अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देता है और लाखों नौकरियाँ प्रदान करता है। यह स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करता है और सामुदायिक बुनियादी ढाँचे में निवेश को प्रोत्साहित करता है। पर्यटन लोगों को अपनी संस्कृतियों, परंपराओं और ज्ञान को साझा करने का अवसर देता है। यह आदान-प्रदान सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और विविध समुदायों के बीच सम्मान, सौहार्द, सद्भावना और समझ को बढ़ावा देने में मदद करता है। संधारणीय पर्यटन प्रथाएँ यात्रियों को पर्यावरण की रक्षा करने और जिम्मेदारी से यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। इससे पारिस्थितिकी मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है और हमारे ग्रह की बेहतर देखभाल को बढ़ावा मिलता है। पर्यटन से स्थानीय क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएँ और सेवाएँ मिल सकती हैं, जिससे आगंतुकों और निवासियों दोनों को लाभ होगा। यह विकास स्थानीय समुदायों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ा सकता है।

भारत में पर्यटन उद्योग ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। पर्यटन क्षेत्र द्वारा 2024 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 21.15 ट्रिलियन रुपये (लगभग 253 बिलियन डॉलर) जोड़ने का अनुमान है, जो पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। भारत विश्व स्तर पर पाँचवाँ सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाज़ार बनने के लिए तैयार है, जिसका अनुमान है कि 2027 तक आउटबाउंड पर्यटन व्यय 89 बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा, जो 2019 में 38 बिलियन डॉलर था। भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले

रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं। 2024 के लिए, इतिहास, संस्कृति और लुभावने परिदृश्यों से समृद्ध देश जॉर्जिया विश्व पर्यटन दिवस की मेजबानी करेगा। जॉर्जिया पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया के चौराहे पर स्थित है, जो संस्कृतियों का एक अनूठा मिश्रण पेश करता है। यह अपने प्राचीन चर्चों, वाइन क्षेत्रों और आश्चर्यजनक पर्वत श्रृंखलाओं के लिए प्रसिद्ध है। जॉर्जिया का पर्यटन क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहा है, जिससे लाखों अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आकर्षित हो रहे हैं। अपने खूबसूरत नज़ारों के साथ, जॉर्जिया यह दिखाने के लिए एकदम सही जगह है कि पर्यटन किस तरह शांति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। पर्यटन का महत्व और पर्यटन की लोकप्रियता को देखते हुए ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1980 से 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के तौर पर मनाने का निर्णय लिया। पर्यटन दिवस को वैश्विक पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास हेतु मील के पत्थर के रूप में देखा जाता है एवं इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व में इस बात को प्रसारित तथा जागरूकता फैलाने के लिए हैं कि किस प्रकार पर्यटन वैश्विक रूप से, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक तथा आर्थिक मूल्यों को तथा आपसी समझ बढ़ाने में सहायता कर सकता है। हर व्यक्ति किसी-ना-किसी परेशानी से घिरा हुआ है, भय और जीवनसंकट के इस दौर में ऐसा लगता है मानो खुशी एवं मुस्कान तो कहीं गुम हो गई है। बावजूद इन सबके हर व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ समय ऐसा जरूर निकालना चाहिए जिसमें खुशी, शांति एवं प्रसन्नता के पल जीवंत हो सके, इसका सशक्त माध्यम है पर्यटन। पर्यटन सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को वापस लाने में ही मदद नहीं करेगा बल्कि यह किसी भी देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी बनेगा। कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है।

यूरोपीय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और भारत आदि ऐसे देश हैं जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। भारत जैसे देशों के लिए पर्यटन का खास महत्व है। देश की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। आज भारत जैसे देशों को देखकर ही विश्व के लगभग सभी देशों में पुरानी और ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण, संवर्द्धन किया जाने लगा है।

भारत में प्राचीन समय से पर्यटन की व्यापक संभावनाएं एवं स्थितियां रही है, लेकिन एक समय ऐसा आया जब भारत के पर्यटन स्थल खतरे में नजर आने लगे और लगने लगा कि शायद अब भारत पर्यटक स्थल के नाम पर पर्यटकों की पहली पसंद नहीं रहेगा। दुनिया में आई आर्थिक मंदी और आतंकवाद के चलते ऐसा लगने लगा कि पर्यटक अब भारत का रुख करना पसंद नहीं करेंगे, पर ऐसा नहीं हुआ। भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक सुन्दरता इतनी ज्यादा है कि पर्यटक ज्यादा समय तक यहां के सुन्दर नजारे देखने से दूर नहीं रह सके। यही वजह है कि भारत में विदेशी सैलानियों को आकर्षित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूरगामी सोच से अनेक पर्यटन योजनाओं को लागू किया है। वे खुद भी पर्यटन को प्रोत्साहन देने को तत्पर रहते हैं, पिछले दिनों उनकी लक्षद्वीप की यात्रा एवं आम चुनाव के बाद कन्याकुमारी में विवेकानन्द आश्रम में एकान्त साधना से इन स्थलों के पर्यटन को अनायास ही प्रोत्साहन मिला।

सरकार द्वारा विभिन्न शहरों के लिये अलग-अलग योजनाएं भी लागू की गयीं हैं। भारतीय पर्यटन विभाग ने 'अतुल्य भारत' नाम से अभियान चलाया था। इस अभियान का उद्देश्य भारतीय पर्यटन को वैश्विक मंच पर प्रोत्साहित करना था जो काफी हद तक सफल हुआ। देश के द्वार विदेशी सैलानियों के लिए खोलने का काम यदि सही और सटीक विपणन ने किया तो हवाई अड्डों से पर्यटन स्थलों के सीधे जुड़ाव ने पर्यटन क्षेत्र के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज सैलानी पर्यटन के लिहाज से सुदूर स्थलों की सैर भी आसानी से कर सकते हैं। सिमटती दूरियों के बीच लोग बाहरी दुनिया के बारे में भी जानने के उत्सुक रहते हैं। यही कारण है कि आज दुनिया में टूरिज्म एक फलता फूलता उद्योग बन चुका है।

जीवन में शांति का एक मात्र जरिया 'पर्यटन'

डॉ. गौतम कुमार

सैर कर दुनिया की गाफिल, जिंदगानी फिर कहां।
जिंदगानी फिर रही, तो नौजवानी फिर कहां।।

पर्यटन सिर्फ घुमने फिरने वालों को ही सुकून नहीं देता बल्कि देश की अर्थवय्वस्था में भी बड़ा योगदान देता है। पर्यटन से समाज और व्यक्तिगत जीवन पर अहम असर पड़ता है ऐसा लगता है मानो खुशी एवं मुस्कान कहीं गुम हो गई है यहां हर वयक्ति महंगाई, बेरोजगारी, बीमारी, महामारी इत्यादि किसी न किसी परेशानी से घिरा पड़ा है। बावजूद इसके हर व्यक्ति की आंतरिक इच्छा होती है कि जीवन में कुछ पल ऐसा भी हो जहां खुशी, शांति, प्रसनन्नता के पल जीवंत चल सके और इसका एकमात्र माध्यम है पर्यटन। केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार सब अपने क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु कार्य कर रहे हैं। इससे देश या राज्य के सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास भी होता है। आज के समय में लोग अक्सर छुट्टियों में घूमने का प्लान बनाते हैं बच्चों के साथ समय बिताने का प्रयास करते हैं आज के आधुनिक टेलिफोनिक युग में लोग इतना बदलते जा रहे हैं कि पास होते हुए भी बात करने को तरसते हैं क्योंकि इनका समय फोन पर ही व्यतीत होता है।

देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में पर्यटन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यहां की मनोरम छटा देश के लोगों को ही नहीं बल्कि विदेशियों को भी आकर्षित करती है। बिहार राज्य के गया जिले के बौद्ध मंदिर हो या नालन्दा का ग्लास ब्रिज बात झारखंड राज्य की हो तो दुमका में अवस्थित मलूटी गांव पर्यटकों के लिहाज से बहुत लुभावने होते जा रहे हैं हर राज्य की सरकारें अपने राज्य में धर्मस्थल और पर्यटन स्थल को बढ़ावा दे रहे हैं। बात झारखंड के पर्यटन स्थलों की हो रही है तो झारखंड का जमशेदपुर जिला पर्यटन के क्षेत्र में सबसे धनी जिला माना जाता है जिसे स्टील की राजधानी के नाम से भी जाना जाता है। इस शहर का नाम जमशेदजी टाटा के नाम पर रखा गया था यह शहर दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी इस्पात कंपनी के नाम से जानी जाती है। यहां घूमने के लिए जुबली पार्क, टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क, जुबली निको मनोरंजन पार्क, सर दोराबाजी टाटा पार्क, भाटिया पार्क, जनजातीय संस्कृति केंद्र, हुडको झील, जयंती

सरोवर एवं अमादुबी ग्रामीण पर्यटन केंद्र के अलावे भी कई टूरिज्म स्पोर्ट हैं। विश्व पर्यटन दिवस की शुरुआत 1970 से हुई क्योंकि आज के दिन यानी 27 सितंबर को ही विश्व पर्यटन संगठन का संविधान स्वीकार किया गया था। आज के इस दिन की शुरुआत केवल एक ही मायने में थी कि पर्यटन के आधार पर पूरे विश्व को एक परिवार के रूप में विकसित करते हुए आपसी समाज को बढ़ाने में सहायता प्रदान हो सके। हमारा देश प्राकृतिक मनोरम स्थलों से भरा देश है यहां नदी, झरने, भव्य स्मारक से लेकर मनमोहन स्थलों और प्राचीन मंदिरों के कारण हमेशा चर्चा में रहा है।

वर्ष 2024 में मनाया जाने वाले पर्यटन दिवस की थीम ''पर्यटन और शांति'' (Tourism and Peace) है, इस थीम का उद्देश्य है कि पर्यटन समुदायों को बदल सकता है रोजगार पैदा कर सकता है, समावेश को बढ़ावा दे सकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर सकता है। सतत यात्राएं और कालातीत यादें जो जिम्मेदार और विचारशील यात्रा को बढ़ावा देती है जिसमें पर्यटन और पर्यावरण के प्रति जागरूक आर्थिक विकास के बीच संबंध पर ध्यान केंद्रित करता है। हमारे देश में बोली जाने वाली विभिन्न प्रकार की भाषाएँ यहां आने वाले पर्यटकों को काफी लुभाती है। जब बात पर्यटन की हो और झारखंड छोड़ दिया जाए ऐसा संभव ही नहीं हो सकता, चाहे वह सबसे ऊंची चोटी पारसनाथ की बात हो या फिर यहां बह रहे जलप्रपातों कि यहां की मनोरम वादियां पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित ही नहीं करती बल्कि चुंबक की तरह अपने और खींच लेती है। बात जब झारखंड के तीर्थ स्थलों की हो तो रामगढ़ में विराजमान मां छिन्नमस्तके हो या रांची में स्थित देवडी मंदिर दोनों की अपनी अलग पहचान एवं अपनी मान्यता है ।

यहां मांगे जाने वाली हर मुराद पूरी होती है। इसी प्रकार मिनी लंदन के नाम से जाने जाने वाला शहर मैक्लुस्कीगंज अपने आप में एक अलग छाप छोड़े हुए है यहां बात राष्ट्रीय वन उद्यान की करें तो पलामू में स्थित टाइगर रिजर्व का नाम पहले स्थान पर आता है। यहां की मातृभाषा यहां का कल्चर लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करने पर मजबूर कर देती है। आदिवासियों का अनूठा जीवन और उनके अतुल्य रीती-रिवाज यहां आने के लिए पर्यटकों को विवश कर देते हैं। पर्यटन स्थलों में गिरिडीह जिले की बात हो तो पारसनाथ के उच्चतम चोटी तीर्थ स्थल महत्वपूर्ण स्थलों में एक है बात जब जलाशय की हो तो खंडोली जलाशय यहां की शान है उसरी वॉटरफॉल की बात ही निराली है यहाँ जिला तो दूर पड़ोसी राज्य को भी आकर्षित करने में पीछे नहीं रहता हैं। पहाड़ों के बिच सूर्यास्त का आनंद लेना हो तो लातेहार जिले में नेतरहाट की तरफ रूख किया जा सकता है। यहां जलप्रपातों की कोई कमी नहीं है छोटे से बड़े लगभग अनगिनत जलप्रपात हैं जिनको अलग-अलग नामों से जाना जाता है। बात पर्यटन की हो और यात्रा जिक्र ना हो! यात्रा का शाब्दिक अर्थ ही होता है एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना हर कदम का लुफ्त उठाना जीवन को आनंदित कर देता है। यात्रा के दौरान लोग वहां की भौगोलिक परिवेश से रूबरू होते हैं यात्रा जीवन के सबसे बेहतरीन अनुभवों में से एक है जिसे हर किसी को अपनाना चाहिए, क्योंकि यात्रा ही हमें बेहतर इंसान बनाती है। यात्रा के दौरान अधिक सहनशील होना और समझदारी से कार्य करना पड़ता है। इन यात्राओं के दौरान परिस्थितियां चाहे जैसी भी हो हर हाल

में स्वास्थ्य का ख्याल रखना पड़ता है जिससे आंतरिक सुख की प्राप्ति होती है। यात्रा के दौरान ही पर्यटन अनुसंधान, तीर्थ दर्शन या किसी स्थान के प्रति आकर्षित होना होता है इसके दौरान अलग-अलग हिस्सों में यात्रा करने से कुछ नया सीखने और सिखाने का मौका मिलता है, अलग-अलग भाषाओं और संस्कृति को लिखने का मौका मिलता है, नए-नए दोस्त बनाने का अनुभव मिलता है, नए स्थानों से चीजों को संग्रह करने का अनुभव मिलता है, यूं कहें सर्वोत्तम सिख हमें यात्रा के माध्यम से ही मिलती है और पर्यटन ही यात्रा का एकमात्र साधन और माध्यम है।

यूं तो घर ही में सिमट आई है दुनिया सारी।
हो मयस्सर तो कभी घूम के दुनिया देखी।।

सोशल मीडिया पर फर्जी समाचार और गलत सूचना : सामाजिक अशांति को बढ़ावा

मनतार सिंह

फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने संचार और सूचना साझाकरण को एकदम से बदल दिया है, लेकिन वे फर्जी समाचार और गलत सूचना को प्रचारित करने में भी काफी मदद करते हैं। इससे विशेषकर भारत में व्यापक अनिश्चितता, अविश्वास और सामाजिक अस्थिरता भी पैदा हुई है। हालाँकि सोशल मीडिया लोगों की आवाज़ों को ऊँचा उठा सकता है, लेकिन इसके विपरीत , समाज में संघर्ष, शत्रुता और सामाजिक चुनौतियों को बढ़ावा दिया है, जिससे शांति और एकजुटता खतरे में पड़ गई है। 5 करोड़ से अधिक सक्रिय सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं वाला भारत, फर्जी समाचारों और दुष्प्रचार के प्रति संवेदनशील है। ऐसा इसलिए है क्योंकि व्यक्ति तथ्यों की पुष्टि किए बिना जो सोशल मीडिया पर देखते हैं उस पर शीघ्र विश्वास कर लेते हैं और इसे आवेगपूर्वक अपने नेटवर्क के साथ साझा करते हैं।

2020 की COVID-19 महामारी ने फर्जी खबरों के विनाशकारी प्रभावों को प्रदर्शित किया, जिससे भय, अनिश्चितता और दुष्प्रचार हुआ। असत्यापित आरोप इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे नेटवर्क पर फैल गए, जिससे सार्वजनिक व्यवहार प्रभावित हुआ और संभावित रूप से जीवन को खतरा हुआ। फर्जी खबरों ने भारत में सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा दिया है, जिसके परिणामस्वरूप भीड़ हिंसा और लक्षित हमले हुए हैं, जिससे धार्मिक, जाति और जातीय विवादों को बढ़ावा मिला है।

सोशल मीडिया एल्गोरिदम विधि, जो उपयोगकर्ता की भागीदारी को और उनके विचारों को प्राथमिकता देते हैं, अक्सर गलत सूचना फैलाने में सहायता करते हैं। जानकारी जितनी अधिक नाटकीय या भावनात्मक रूप से भरी होगी, उसके साझा और प्रचारित होने की संभावना उतनी ही अधिक होगी, जिसके परिणामस्वरूप झूठी खबरें वास्तविक समाचारों की तुलना में अधिक व्यापक रूप से फैल जाती हैं। सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार असहिष्णुता और पूर्वाग्रह को जन्म दे सकता है, खासकर भारत में, जहां देश की बहु-जातीय और बहु-धार्मिक आबादी के कारण

दुष्प्रचार से व्यापक हिंसा भड़क सकती है। कई उपयोगकर्ता इस हेरफेर से अनजान रहते हैं।

भारत ने 2018 में बच्चों के अपहरण और मॉब लिंचिंग जैसी झूठी ख़बरों के प्रचार-प्रसार के परिणामस्वरूप हिंसक घटनाएं देखी हैं, साथ ही राजनीतिक अस्थिरता भी देखी है जिसमें छेड़छाड़ की गई तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल विरोध प्रदर्शनों और रैलियों के बारे में राजनीतिक पार्टियाँ जनता की राय को गुमराह करने के लिए करतीं हैं , जिससे तनाव बढ़ता है और व्यापक क्षति पहुँचती है।

गलत सूचना के भयावह परिणाम हुए हैं, हिंसा भड़की है, निर्दोष लोगों को चोट पहुंची है और कुछ आबादी को हाशिए पर धकेल दिया गया है जो पहले से ही गरीबी, जाति उत्पीड़न या धार्मिक असहिष्णुता से जूझ रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप जीवन और प्रतिष्ठा की हानि हुई है, पहले से मौजूद चिंताएँ और भी बदतर हो गई हैं। महामारी के दौरान, अल्पसंख्यक आबादी और प्रवासियों के बारे में गलत सूचना ने शत्रुता और तनावपूर्ण रिश्तों को बढ़ावा दिया, सहानुभूति और सहयोग की जगह भय और संदेह ने ले ली, जिसे ठीक होने में दशकों लग सकते हैं।

झूठी खबरों का मुद्दा एक बहुआयामी समाधान की मांग करता है जिसमें इंटरनेट की कम्पनीयाँ , सरकारों, नागरिक समाज और व्यक्तियों की कार्रवाइयों के साथ-साथ वायरल मैसेजिंग को लेबल करना और नियंत्रित करना शामिल है। भारत सरकार ने दुष्प्रचार का प्रतिकार करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जैसे हानिकारक सामग्री को हटाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को विनियमित करना और झूठी समाचार स्रोतों की निगरानी करना।

भारत सरकार कानून ला रही है और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को उनके प्लेटफार्मों पर पोस्ट की गई किसी भी निंदनीय सामग्री के लिए अधिक जवाबदेह बनाने के लिए बड़े कदम उठा रही है। हालाँकि, ये प्रतिबंध कभी-कभी मौलिक अधिकारों में हस्तक्षेप कर सकते हैं, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा और स्वतंत्र अभिव्यक्ति के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो जाता है।

दुष्प्रचार से निपटने के लिए, सार्वजनिक शिक्षा की आवश्यकता है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जहां व्यक्तियों को सच्ची जानकारी तक बहुत कम पहुंच है। परिणामों को कम करने के लिए, स्कूलों और समुदायों को लोगों को समाचारों को प्रमाणित करने, नकली जानकारी का पता लगाने और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के तरीके सिखाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

दुष्प्रचार के खिलाफ लड़ाई में सहानुभूति की संस्कृति विकसित करके, खुले और विनम्र संचार की अनुमति देकर और कमियों के बावजूद बहस और समझ के लिए सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करके सामुदायिक विश्वास को बहाल करना शामिल है।

फर्जी खबरों का वास्तविक दुनिया पर प्रभाव हो सकता है, इसलिए कुछ भी साझा करने और सार्थक बहस में शामिल होने से पहले तथ्यों की दोबारा जांच करना महत्वपूर्ण है। झूठ से ध्रुवीकृत समाज में, हमें तर्कपूर्ण आवाज़ों की ज़रूरत है, अराजकता फैलाने वालों की नहीं।

संक्षिप्त समाचार

'नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर' को जापानी मैगजीन 'मैडम फिगारो' ने दुनिया के बेहतरीन कल्चरल सेंटर्स की लिस्ट में दी जगह

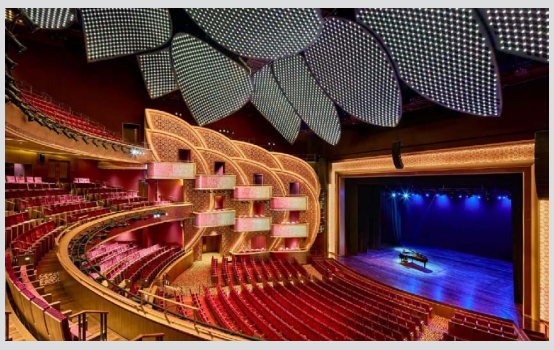

चमकता राजस्थान। नई दिल्ली। प्रतिष्ठित इंटरनेशनल जापानी मैगजीन 'मैडम फिगारो' ने मुंबई के 'नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर'(एनएमएसीसी) को दुनिया के बेहतरीन कल्चरल सेंटर्स की लिस्ट में जगह दी है। यह पहला मौका है जब भारत के किसी कल्चरल सेंटर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। देश के सबसे बड़े कला केंद्रों में से एक, इस सेंटर को भारतीय संस्कृति के अनुरूप कमल के आकार में डिजाइन किया गया है। एनएमएसीसी मुंबई शहर के बांद्रा कुर्ला में स्थित है।

मैडम फिगारो मैगजीन लिखती है कि ''दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कला को भारत में लाने और भारत की सर्वश्रेष्ठ कला को दुनिया में ले जाने के विज़न के तहत एनएमएसीसी की स्थापना नीता मुकेश अंबानी द्वारा 2023 में की गई थी। यह कला केंद्र भारत के कला परिदृश्य को बदल रहा है।''

इस लिस्ट में न्यूयॉर्क का रिचर्ड गिल्डर सेंटर, लॉस एंजेलिस का इंट्यूट डोम, एम्स्टर्डम की डेड एंड गैलरी, हांगकांग का सोथबायस मैसन, बैंकॉक से बैंकॉक आर्ट बिएननेल और बर्लिन से डार्क मैटर भी शामिल हैं। रिलायंस फाउंडेशन की चेयरमैन नीता अंबानी द्वारा परिकल्पित इस सेंटर का उद्देश्य भारत की समृद्ध कला, संस्कृति और विरासत को संरक्षित करना और बढ़ावा देना है।

एनसीसी भर्ती प्रक्रिया का डीपीएम कॉलेज हलैना में हुआ सफल आयोजन

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। हलैना बीते गुरुवार को 6 राज द्वारा एनसीसी भर्ती प्रकिया पूर्ण ईमानदारी के साथ डीपीएम कॉलेज में आयोजित हुई,

कमान अधिकारी 6 राज इंडेप कंपनी एनसीसी भरतपुर के कर्नल जेम्स आर दत्ता रॉय ने बताया कि गुरुवार को भरतपुर जिले के थाना हलैना के समीप सरसेना रोड स्थित डीपीएम कॉलेज 6 राज एनसीसी के तहत कैमरे के सामने भर्ती आयोजित हुई, जिसमें छात्र एवं छात्राओं को 1600 मीटर दौड़ कराई गई, साथ ही फिजिकल, लंबाई इत्यादि नाप तोल की गई,

कर्नल जेम्स आर दत्ता रॉय ने कहा कि फिजिकल के बाद छात्र एवं छात्राओं का लिखित परीक्षा ली गई समस्त चयन सफल अभ्यर्थी का चयन किया जाएगा।

डीपीएम कॉलेज निदेशक संतोष चौधरी ने बताया कि एनसीसी भर्ती के लिए पूर्व में सभी विद्यार्थियो को सूचना दे दी गई, एनसीसी के अधिकारियो की निगरानी में सारी भर्ती प्रक्रिया हुई है, इसमें किसी भी प्रकार की कोई भी धांधले वाजी नहीं हुई और न आगामी होगी,यह भर्ती पूर्ण ईमानदारी के साथ आयोजित हुई है,एनसीसी से अनुशासन एवं शारीरिक विकास भी होता है, प्रतिवर्ष यह भर्ती आयोजित की जाती है,

एनसीसी भर्ती के दौरान कर्नल जेम्स आर दत्ता रॉय कमान अधिकारी 6राज इंडेप कंपनी एनसीसी भरतपुर,नायव सूबेदार अजीत कुमार, हवलदार राज कुमार,जी सी आई वर्षा कुशवाह, एनसीसी प्रभारी गर्दन सिंह, खैमसिंह मीणा मुखेना,रामवीर सिंह,मोनू कुमार एवं अनेक अध्यापक मौजूद रहे '

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भाजपा के लिए माँगे वोट

चमकता राजस्थान

कैथल/अंबाला। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज हरियाणा के कैथल में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। दिया कुमारी ने अपने दो दिवसीय चुनावी दौरे के शुरुआत में कैथल के जिला सैनी भवन में भाजपा उम्मीदवार लीलाराम के पक्ष में एक महिला सम्मेलन को संबोधित किया और फिर पाडला में राजपूत समाज ी लोगो से मुलाक़ात की।

दोपहर में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुलाना से भाजपा उम्मीदवार संतोष सारवान के पक्ष में वोट माँगे। इसके बाद उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अंबाला शहर के क्षत्रिय समाज के प्रबुधजन से जनसंपर्क किया और भाजपा उम्मीदवार असीम गोयल के समर्थन में एक सभा को संबोधित किया।

कैथल में महिला शक्ति सम्मेलन को

संबोधित करते हुए उन्होने भाजपा के उम्मीदवार लीला राम को जीत की अग्रिम बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की आधी आबादी रखने वाले महिला वर्ग के उत्थान व सम्मान के लिए अनेको ऐतिहासिक कार्य किये। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, प्रसवकालीन अवकाश, सेना में अवसर, लखपति दीदी, आंगनबाड़ी अपग्रेडेशन जैसे कई निर्णय केन्द्र सरकार ने किये।

दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सभी फ्लैगशिप योजनाओं को सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं को मिला है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होने कहा कि संवैधानिक पद पर रहते हुए भी राहुल गांधी द्वारा विदेश में जा कर समाज को बांटने के लिए गलत बयानबाजी की गई जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी के मंत्री और मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में जेलों में बन्द है या जमानत पर है।

उन्होने उपस्थित जनसमूह से अपील की और कहा कि हरियाणा में विकास का क्रम आगे भी चलता रहे इसके लिए तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की डबल इंजन सरकार बननी चाहिए।

मुलाना में भाजपा उम्मीदवार संतोष सारवान के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किसानों, सैनिको, महिलाओं और युवाओ के कल्याण की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की कड़ी से कड़ी जुड़ने से ही सही मायने में विकास संभव है।

अंबाला शहर से भाजपा उम्मीदवार असीम गोयल के पक्ष में क्षत्रिय समाज के प्रबुद्धजन सभा को संबोधित करते हुए दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व देश की सीमाएँ सुरक्षित हुई है और सेना सशक्त हुई है। हमारे खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक और पैरा-ओलंपिक ने शानदार प्रदर्शन किया है। ये देश के मज़बूत नेतृत्व का ही नतीजा है कि युवाओं को नये मौके मिल रहे है और पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन हुआ है।

60 दिवसीय टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 अंतर विभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों की जागरूकता हेतु करें, सामूहिक प्रयास: जिला कलक्टर

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। धौलपुर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा तक आगामी 23 नवंबर तक टोबेको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 का संचालन किया जा रहा है। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए अंतर विभागीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में जिला कलक्टर ने तंबाकू दुष्प्रभावों के प्रति आमजन में जागरूकता के लिए सामूहिक प्रयासों हेतु विभागीय अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कोटपा एक्ट के तहत चालान गतिविधियों हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को पाबंद किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि तंबाकू और तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। हमें सामूहिक प्रयास कर तंबाकू सेवन

कर्ताओं में जागरूकता लानी होगी। संबंधित अधिकारी सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू और धूम्रपान निषेध के साइनेज प्रदर्शित करवाएं। चिकित्सा संस्थानों, समाज कल्याण विभाग के छात्रावासों को पूरी तरह से तंबाकू फ्री किया जाए। तंबाकू उत्पाद प्रदर्शित करने वाले और तंबाकू उत्पाद बेचने वालो के कोटपा एक्ट के तहत चालान काटे जाए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयंती लाल मीणा ने बताया कि इस 60 दिवसीय कार्ययोजना के दौरान जिले में शहरी व ग्रामीण वार्ड, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों को तम्बाकू मुक्त करने के प्रयास किए जायेंगे। प्रत्येक पंचायत में रोल मॉडल बनाए जायेंगे जोकि आमजन को तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने हेतु प्रेरित करेंगे। बैठक में उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतराम मीणा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिला स्तर पर स्टैकहोल्डर्स की कार्यशाला, शिक्षण संस्थाओं को तंबाकू मुक्त करना, चिकित्सा संस्थानों आंगनबाड़ियों को तंबाकू मुक्त करना, तंबाकू उपभोगियों की पहचान कर परामर्श व उपचार, डोर टू डोर सर्वे, चालान कार्यवाही, तंबाकू मुक्त ग्राम, कम्युनिटी मोबलाइजेशन, मीडिया सेंसेटाइजेशन आदि गतिविधियां की जायेंगी। बैठक के दौरान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेश मंगल, सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विश्व देव पांडे सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहें।

चंद्रशेखर मौर्य को प्रदेश महासचिव का दायित्व सौंपा आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) राजस्थान के द्वारा

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। सरमथुरा उपखण्ड के चंद्रशेखर मौर्य को सांगठनिक दायित्व प्रदेश महासचिव आजाद समाज पार्टी (कां) राजस्थान का एड. चन्द्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय अध्यक्ष,अमरचन्द हरसोलिया प्रदेश अध्यक्ष (का.) क्रमांक 65/2024 दिनांक :- 26 सितंबर2024 को बाबासाहेब डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी व मान्यवर कांशीराम साहब जी की विचारधारा 'बहुजन हिताय -बहुजन सुखाय' को आगे बढ़ाने के लिए, राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट चन्द्र शेखर आजाद, राष्ट्रीय महासचिव रविन्द्र भाटी, प्रदेश प्रभारी सत्यपाल चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष (का.) अमरचन्द हरसोलिया की सहमति से आगामी आदेश तक निम्न पद पर नियुक्ति आदेश जारी किया जाता है। नाम चन्द्रशेखर मौर्य सांगठनिक दायित्व प्रदेश महासचिव आजाद समाज पार्टी (कां.) राजस्थान का दायित्व सौंप है! मैं भरोसा दिलाता हूं कि में पूरी निष्ठा से पार्टी के हित के लिए आजीवन कार्यरत रहूंगा!

शैक्षिक जनजागरण एवं सामाजिक सरोकार अभियान : जगदीश रावत

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण)। सरमथुरा उपखण्ड में शैक्षणिक जन जागरण एवं सामाजिक सरोकार अभियान के तहत आज जगदीश रावत, गांव कंसोटी खेड़ा, सियाराम, खरौली, बच्चू सिंह रावत, खानपुर ने अपने जन जागरण, शिक्षा में नवाचार एवं सामाजिक सरोकार के उपलक्ष्य में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खुरदिया में उपस्थिति होकर विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों की उपस्थिति में विद्यार्थियों को शिक्षा एवं संस्कार, नैतिक मूल्यों, स्वास्थ्य, पर्यावरण तथा जीवन में अपने लक्ष्यों को हासिल करने के मंत्र दिए। प्रारंभ में टीम ने बोर्ड पर-ीक्षा में अब्बल आने वाले विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। तद्परांत प्राचार्य हरिचरन मीना का विद्यालय के अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए सम्मान में मेडल पहनाया। अपने उदबोधन में जगदीश रावत ने शिक्षा एवं संस्कार की जीवन में उपयोगिता पर प्रकाश डाला। मानवीय मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु विभिन्न महान विभूतियों के उद्धरण सहित व्याख्या की और विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। उन्होंने विभिन्न दृष्टांतो के द्वारा विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों एवं महानता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। माता पिता, गुरुजनों के जीवन में महत्व को रेखांकित किया। बच्चूसिंह रावत ने विद्यार्थियों के साथ शिक्षा के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने नशा, व्यसन पर चर्चा की और इनसे दूर रहने का आ''ान किया, सियाराम मीना ने शिक्षा में नवाचार पर अपनी बातें साझा की और विद्यार्थियों को गुणवत्ता शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। शिक्षकों को भी अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकों ने उपरोक्त संवाद की उपयोगिता स्वीकारते हुए कहा कि विद्यालय में इस तरह के अभियान चलते रहने की सख्त जरूरत है! इस कार्यक्रम की शुरुआत दिनांक :-20 जुलाई 24 से इस अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्र छात्राओं में पढ़ाई के प्रति अधिक रुचि बढ़ेगी, उनका मनोबल अच्छा बनेगा तथा अपना कैरियर चुनने में आसानी होगी। इस दौरान द्वारिका शर्मा, खुर्दिया भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम अनवरत रूप से चलता रहेगा। अंत में प्रधानाचार्य ने टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया और कार्यक्रम की इतिश्री हुई।

सरकार और विधायकों की पहल उचित

पानी आन्दोंलन के सकारात्मक परिणाम आना शुरू : रामकिशन

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह)। भरतपुर और डीग जिलों की पानी समस्या को लेकर वर्ष 2007 में शुरू किये प्रयास और संघर्ष के अब सकारात्मक संकेत मिलना शुरू हो गया है लेकिन ये सम्पूर्ण सफलता नहीं आंशिक उपलब्धि है , पानी की गम्भीर समस्या के लिये राज्य के ग्रह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ' वैर के विधायक बहादुर सिंह कोली ' डीग कुम्हेर के विधायक शैलेश सिंह द्वारा विगत दिन जयपुर में किये प्रयास प्रशंसनीय हैं ।

किसान नेता और पूर्व जिला पार्षद इन्दल सिंह जाट ने वयान जारी कर बताया कि पानी आन्दोंलन के अगुआ शताब्दी पुरुष पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन की गुरुवार को दूरभाष पर राज्य के ग्रह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बै ढम और वैर विधायक बहादुर सिंह

कोली और डीग कुम्हेर विधायक शैलेश सिंह से पानी के मुद्दे पर विस्तार से विचार विर्मश हुआ ।

ग्रहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म और विधायक बहादुर सिंह कोली और विधायक शैलेष सिंह ने पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन को दूरभाष पर बताया कि सरकार पानी के सवाल पर गम्भीर है और जनता की माँग को देखते हुऐ गम्भीर नदी और वाणगंगा नदी को आपस में जोड़ने की माँग पर

पानी आने तक संघर्ष रहेगा जारी

सहमति बन गई है और इसको आगे बढ़ाते हुऐ शीघ्र सर्वे करने के आदेश दे दिये गये हैं ।

मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने पूर्व सांसद पंडित रामकिशन को यह भी बताया कि बदनगढ़ (डीग) से होम्स कैनाल को भी जोड़ा जायेगा उस काम पर भी सहमति बन चुकी है और कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं ।

पूर्व सांसद पंडित रामकिशन ने कहा कि हमने गम्भीर और वाणगंगा नदी को जोड़ने की माँग उठाई थी जिसपर सरकार ने सहमती प्रकट करते हुए सर्वे के आदेश जारी किये है ।उन्होंने कहा कि हालांकी ये सर्वे है जरूरत इस बात की है कि सरकार दोनों नदियों को आपस में जोड़ने का काम करे । उन्होंने कहा कि असल सवाल है पाँचना के पानी का बँटबारा जो बहुत जरूरी है और सरकार को इस पानी का बँटबारा करके भरतपुर जिले के हिस्से का पानी तय कर देना चाहिये । उन्होंने कहा कि हम लोगों ने जनता के साथ मिलकर डीग और जनूथर में लम्बा आन्दोलन किया था और उसी समय यमुना का पानी नशवारा और सिनसिनी तक पहुंच चुका था जिसका थोड़ा बहुत लाभ बहाँ के लोगों को मिल रहा हैं ।

पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन ने कहा कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का समझौता भी हो चुका है और सरकार कह रही है कि हिस्से का पूरा पानी लिया जायेगा लेकिन जरूरत इस बात की है कि सरकार इआरसीपी पर जल्दि काम शुरू करे और अपने हिस्से का पूरा पानी लेकर भरतपुर और डीग जिलों को प्रथम चरण में पानी पहुंचाये । उन्होंने कहा औंखला बैराज से पानी लेने की माँग को लेकर भी आबांज उठाई जायेगी ।

उन्होंने कहा कि पाँचना पानी का बँटबारा होने और गम्भीर नदी को बाणगंगा नदी से जोड़ने तथा इआरसीपी का पानी आने तक यह माँग और संघर्ष जारी रहेगा । सरकार को जल सम्बन्धि विवादों को प्राथमिकता से सुलझाना चाहिये। उन्होंने कहा कि हमने पानी के गम्भीर संकट को देखते हुऐ वर्ष 2007 से भरतपुर डीग ही नही बल्कि दौसा, अलवर , टौंक' करौली , बूदीं जिलों में भी जाकर जनजागरण का काम किया और इसके लिये किसान नेता इन्दल सिंह जाट और मोहन सिंह गुर्जर में दूसरे जिलों में जाकर भारी प्रयास किये और आज भी संघर्ष जारी हैं।

अनुसूचित जनजाति की विवाहित मृतका के परिवार से मिला दलित अधिकार केंद्र का जांच दल

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। दलित अधिकार केंद्र भरतपुर जिला समन्वय अतर सिंह भड़ाना ने बताया कि दिनांक 23 सितंबर 2024 को थाना नगर जिला डीग के अंतर्गत गांव सार्थली मीना कॉलोनी में अनुसूचित जनजाति की विवाहिता के साथ दुष्कर्म कर जबरदस्ती जहर पिलाकर हत्या करने के मामले में जांच दल द्वारा मृतक परिवार नाबालिक बच्चे एवं गवाह के बयान दर्ज कर दस्तावेजों का संकलन किया।

उक्त गंभीर प्रकरण में पुलिस प्रशासन द्वारा अभी तक एफआईआर में नाम दर्ज आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस प्रशासन द्वारा घटना के समय उपयोग किए जाने वाले संसाधन मोबाइल फोन को अभी तक जप्त कर पत्रावली में शामिल नहीं किया गया है। प्रशासन द्वारा उक्त गंभीर प्रकरण में लापरवाही कर आरोपी को बचाने का प्रयास किया जा रहा है तथा उक्त मामले को पुलिस द्वारा आत्महत्या का मामला बताकर प्रकरण को दफा करना चाहती है।वहीं दूसरी तरफ आरोपी द्वारा राजीनामा का दावा बनाकर परिवार के साथ जान से मारने की धमकियां दी जा रही है दलित अधिकार केंद्र के जांच करने पर संज्ञान लेने पर उक्त मामले में अति शीघ्र ही आरोपी को गिरफ्तार करने पर एससी एसटी एक्ट की धारा 15 का 10 के तहत वीडियो रिकॉर्डिंग लिखित की जाए। पीड़ित परिवार को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराया जाए। आरोपियों द्वारा प्रयोग किए गए संसाधनों को जप्त कर शामिल पत्रावली करने एससी एसटी एक्ट की धारा 3 व आदि धाराओं को अनुसंधान दौरान जोड़ने वह मृतका परिवार को आर्थिक सहायता राशि एवं एससी-एसटी एक्ट के नियम के तहत 3 महीने का राशन उपलब्ध करवाने आदि की मांग की जाती है। जांच दल में लालाराम भड़ाना जिला समन्वयक भरतपुर, एडवोकेट विक्रम सिंह तेजपाल वर्मा,गीता देवी महिला कार्यकर्ता सम्मिलित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बिजली कनेक्शन तथा ट्रांसफॉर्मर बदलने की न रहे पेंडेंसी : आरती डोगरा -डिस्कॉम्स चेयरमैन

चमकता राजस्थान। जयपुर(खलील कुरैशी) 26 सितम्बर। डिस्कॉम्स चेयरमैन एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबन्ध निदेशक आरती डोगरा ने बिजली निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं किउपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं का पूरी संवेदनशीलता से निराकरण किया जाए। डिस्कॉम्स चेयरमैन गुरूवार को अलवर में अलवर एवं भिवाड़ी वृत्त के अभियन्ताओं की बैठक में समीक्षा कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने बिजली कनेक्शनों, ट्रांसफार्मर बदलने, लोड बढ़ाने आदि को लेकर पेंडेंसी दूर करने के अभियंताओं को दिशा -निर्देश दिए। उन्होंने आरडीएसएस तथा पीएम सूर्यघर योजना को लेकर भी प्रगति की समीक्षा की और गति लाने के निर्देश दिए। बैठक में अलवर वृत्त के सभी अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता एवं सहायक अभियंता तथा भिवाड़ी सर्किल के अधीक्षण एवम अधिशासी अभियंता मौजूद थे।डिस्कॉम्स चेयरमैन ने इससे पहले विभिन्न सब-डिवीजन कार्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन कार्यालयों में फाइलों के निस्तारण, स्टोर में मेटेरियल एवं ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता, लम्बित कनेक्शनों की स्थिति तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण आदि की जानकारी ली। उन्होंने बगड मेव सब-डिवीजन में कनेक्शनों की पत्रावलियों को देखा और इनके निस्तारण में लग रहे समय के कारणों की जांच के लिए टीम गठित करने के निर्देश अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता (गुणवत्ता नियंत्रण) को दिए। यहां मेटेरियल एवं ट्रांसफार्मरों के गेट पास एवं स्टॉक रजिस्टर का भी निरीक्षण किया।अलवर शहर के ए-द्वितीय उपखण्ड कार्यालय में डोगरा ने पीएम सूर्यघर निःशुल्क बिजली योजना हेल्प डेस्क का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि योजना में आवेदकों से फोन पर भी सम्पर्क कर उन्हें रूफ टॉप सोलर लगवाने तथा सब्सिडी का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने मालाखेड़ा सब डिवीजन कार्यालय का अवलोकन कर यहां कनेक्शनों, भार वृद्धि, स्टोर शाखा, कनेक्शन में नाम बदलने आदि से संबंधित पत्रावलियों का अवलोकन किया।

मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत हुआ आयोजन

- **मानव श्रृंखला बनाकर बच्चों ने प्लास्टिक फ्री सिटी, एवं जयपुर को स्वच्छ व सुंदर बनाने का दिया संदेश**
- **10 से भी अधिक स्कूलों के बच्चों, 1200 से भी अधिक स्थानीय जन ने मिलकर बनाई तीन किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत गुरुवार को वार्ड 75, सिटी पार्क मानसरोवर में मानव श्रृंखला कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर 10 से भी अधिक स्कूलों के बच्चों ने, समितियो के अध्यक्ष, पार्षदों, सिटी पार्क में मॉर्निंग वॉक के लिए आए मॉर्निंग वॉकर्स ने, स्थानीय जन सहित करीब 1200 से भी अधिक लोगों ने करीब 3 किलोमीटर से भी अधिक मानव श्रृंखला बनाकर प्लास्टिक फ्री सिटी एवं जयपुर शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने का संकल्प लिया। स्कूली बच्चों ने मानव श्रृंखला के माध्यम से रलर अर्थात स्वच्छता ही सेवा का प्रतिरूप बनाया। कार्यक्रम में
महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने स्वच्छता के संबंध में स्कूली बच्चों से सवाल जवाब भी किया इसके साथ ही वहां मौजूद स्कूली बच्चों एवं आमजन से करीब 1000 फॉर्म भरवाए गये जिसमें सभी को स्वच्छता संबंधी एक बुरी आदत छोड़ने और एक अच्छी आदत अपनाने का संकल्प लिया जाना था। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने सभी को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर चैयरमेन पारस जैन, अरूण कुमार, पार्षद भारती लख्यानी, मनोज कुमार, गिर्राज प्रसाद, स्वच्छ भारत मिशन संयोजक मुकेश लख्यानी मौजूद रहे। सभी बच्चों ने संकल्प पत्र में स्वच्छता संबंधी एक बुरी आदत छोड़ी और स्वच्छता संबंधी एक अच्छी आदत को आज से ही अपनाने का संकल्प लिया। महापौर ने इस अवसर पर पर कहा कि नगर निगम ग्रेटर द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत प्रतिदिन नवाचार किया जा रहे हैं आम जन को कार्यक्रमों के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। शहर को स्वच्छ रखने में शहर वासियों का अहम योगदान है इसलिए प्रत्येक शहर वासी स्वच्छता के लिए अपना योगदान अवशय दें।

फिल्म इमरजेंसी को रिलीज करने के लिए कंगना रनौत को पूरी करनी होगी अब ये शर्त

नई दिल्ली/एजेंसी। हिमाचल के मंडी से भाजपा सांसद व अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को रिलीज करने को लेकर रास्ता साफ हो चुका है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट को जानकारी दी है कि वह फिल्म 'इमरजेंसी' को प्रमाण पत्र जारी करने को तैयार है लेकिन फिल्म के कुछ हिस्सों में काट छांट करनी होगी। जिस कारण अब इस फिल्म को लेकर 30 सितंबर को सुनवाई होगी। हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में फिल्म के प्रमाणपत्र जारी करने पर फैसला नहीं लेने पर सेंसर बोर्ड को फटकार लगाई थी। गुरुवार को सुनवाई के दौरान सेंसर बोर्ड के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि बोर्ड की संशोधन समिति ने फिल्म को रिलीज करने से पहले कुछ हिस्सों में कट लगाने का सुझाव दिया है।
भाजपा सांसद कंगना रनौत की यह फिल्म 1975 में देश में लगे आपातकाल पर आधारित है। फिल्म में कंगना रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में हैं।

खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने किया 14 वर्षीय फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। तसीमों। 68 वीं राज्य स्तरीय विद्यालयी 14 वर्ष छात्र-छात्रा फुटबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में माननीय कैबिनेट मंत्री युवा मामले और खेल, कौशल नियोजन एवं उद्यमिता, सैनिक कल्याण विभाग कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।
कर्नल राठौड़ ने खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को निखारने में शारीरिक शिक्षकों का अहम योगदान हैं !शारीरिक शिक्षक खिलाडियों को खेल के साथ-साथ जीवन के गुण सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खिलाडियों को बेहतर अवसर एवं सुविधाएं मिल रहीं हैं। खेलो इण्डिया कार्यक्रम में हर साल एक हजार खेल प्रतिभाओं का चयन किया जाता है। जिन्हें आठ साल तक लगातार पांच लाख रूपये प्रतिवर्ष की सहायता राशि प्रदान की जाती है। वहीं टारगेट ओलम्पिक पोडियम के माध्यम से खिलाड़ियों को भारत सरकार अपने खर्च पर प्रशिक्षण, यात्रा, आवास इत्यादि सुविधाएं प्रदान कर रही हैं। इनक कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार खेल प्रतिभाओं में निखार लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार भी 50 खिलाडियों को इस प्रकार की योजना से जोडने हेतु प्रयासरत है, साथ ही सरकार खेल अकादमियों को उत्कृष्ट बनाये जाने की दिशा में काम कर रही है।
इससे पूर्व माननीय कैबिनेट मंत्री ने खिलाडियों को खेल भावना की शपत दिलाई। उन्होंने खेल ध्वज का आरोहण कर प्रतियोगिता के विधिवत शुभारम्भ की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई स्मारिका का विमोचन किया। उन्होंने अलग -अलग जिलों से आई फुटबॉल टीम से मार्च पास्ट की सलामी ली। उन्होंने किशोर छात्र- छात्राओं के प्रति उत्साह की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि राजस्थान सरकार आने वाले समय में ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट आयोजित कराने हेतु तैयारियां कर रही है। उन्होंने फुटबॉल को कि क मारकर खेल प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वच्छता संदेश को पहुंचाने हेतु मौजूद सभी खिलाडियों एवं प्रबुद्धजनों को स्वच्छता की शपत दिलाई। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी दाउदयाल शर्मा ने कार्यक्रम में शामिल अतिथियों को आभार उद्बोधन दिया। वहीं मां भगवती उच्च माध्यमिक विद्यालय तसीमों के निदेशक व आयोजक अरविंद शर्मा ने कहा सभी खिलाड़ी खेल को खेल की भावना से खेले और हार जीत खेल के हिस्सा है, आपसी द्वेद न बनाएं। और सभी पधारे हुए अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।
इस अवसर पर जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी, पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा, अतिरिकत जिला कलक्टर धीरेन्द्र सिंह, उपखण्ड अधिकारी धौलपुर साधना शर्मा, पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा, पूर्व विधायक सुखराम कोली, भाजपा नेता शिवचरन कुशवाह, भाजपा नेत्री नीरजा शर्मा, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष गिरीश कुमार गर्ग, अग्रवाल महासमिति धौलपुर जिलाध्यक्ष ऋषि मित्तल, तसीमों सरपंच नीलम परमार आदि सहित अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान के प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से शिष्टाचार भेंट

पर्यटन के क्षेत्र में सुदृढ़ीकरण व्यवस्था को मजबूती देने के रखा

चमकता राजस्थान

जयपुर मशहूर (खलील कुरैशी)। होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान के प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से शिष्टाचार भेंट,कर मजबूती से पर्यटन क्षेत्र का पक्ष रखते हुए कहा की भारतवर्ष में विदेश से आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए ज्यादा से ज्यादा फ्रेंडली देश के पर्यटकों को (वीजा ऑन अराइवल) भारत में ही वीजा प्रोसेस की सुविधा होनी चाहिए जिससे पर्यटकों को अपने देश में वीजा लगाने के झंझट से निजात मिले जिससे आसान वीजा सुविधा के कारण विदेश से आने वाले अधिक से अधिक पर्यटकों की संख्या देश में बढ़ सके. इसके साथ-साथ छोटे बजट होटल को जीएसटी में छूट की मांग भी रखी गई. मंत्री ने पर्यटन सेक्टर के हित में आगामी दिनों में इन सभी विषयों पर रिलैक्स दिलाने का आश्वासन दिया.गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहां की राजस्थान में बने वीर योद्धाओं एवं देवी देवताओं के पैनोरमा को भी पर्यटक स्थलों के रूप में पहचान के लिएप्रयासकियाजाएगा. होटल फेडरेशन आफ राजस्थान द्वारा माननीय मंत्री जी का स्वागत किया गया. इस अवसर पर होटल फेडरेशन आफ राजस्थान के अध्यक्ष हुसैन खान, सचिव शैलेश प्रधान, कोषाध्यक्ष संदीप गोगिया, सदस्य कृष्ण अवतार, क्षितिज शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों की क्षतिग्रस्त ग्रेवल सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू

चमकता राजस्थान

- **30 अक्टूबर तक मिशन मोड पर होगी ग्रेवल सड़कों की मरम्मत**
- **जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं जिला कलेक्टर ने जारी किये निर्देश**

जयपुर।खलील कुरैशी। जयपुर ग्रामीण में क्षतिग्रस्त ग्रेवल सड़कों की मरम्मत के कार्य शुरू हो गया है। जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को निर्देश जारी कर 30 अक्टूबर तक क्षेत्र की क्षतिग्रस्त ग्रेवल सड़कों का चयन कर नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाने के लिए निर्देशित किया है।जयपुर जिले में वर्तमान मानसून के दौरान अधिक वर्षा के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रवाह एवं जलभराव के कारण गांवों के बुनियादी ढांचे विशेषकर ग्रेवल सड़कों के क्षरण एवं क्षतिग्रस्त होने की सम्भावना भी उत्पन्न हुई है। जिससे ग्रामीण सड़को के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में स्थानीय निवासियों को दैनिक रूप से विभिन्न असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने महात्मा गांधी नरेगा योजना से निर्मित क्षतिग्रस्त ग्रेवल सड़कों को चिन्हित कर उनकी मरम्मत का कार्य अभियान शुरू करने के निर्देश जारी किये हैं। जिसके तहत 30 अक्टूबर 2024 तक समस्त ग्राम पंचायतों में सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्राथमिकता गुणवत्तपूर्ण मरम्मत कार्य सार्वजनिक निर्माण विभाग, पंचायत समितियों एवं अन्य विभागों के माध्यम से किए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। साथ ही सभी उपखण्ड अधिकारियों को अपने क्षेत्राधिकार की समस्त ग्राम पंचायतों का प्रति सप्ताह दौरा कर निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिये हैं।

ग्राम पंचायत रामसर की उदासीनता के कारण श्रीनगर रोड पर गंदगी के ढेर के चलते ग्रामीणों में रोष व्याप्त !

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक

श्रीनगर। नसीराबाद/रामसर ग्रामीणों का कहना है की गंदगी को हटाने को लेकर कई बार ग्राम पंचायत के सरपंच को शिकायती पत्र सौप चुके हैं ।लेकिन इस और पंचायत सफाई को लेकर कदम नहीं उठा रही है ।कस्बे का सारा कचरा सफाई कर्मी यहां डाल देते हैं गंदगी के आसपास रहने वाले लोगों का कहना है की बदबू के चलते उनका जीना हराम हो रखा है ।वहीं दूसरी और मच्छरों के चलते बीमारी का खतरा भी बढ़ गया है यहां श्रीनगर रोड पर गंदगी के देर में सूअर विचरते देखे जा सकते हैं । जहां एक और राज्य सरकार स्वच्छता अभियान पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है वहीं दूसरी ओर पंचायत राज विभाग के एवं जन स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी कस्बे की सफाई व्यवस्था को लेकर आंखें मूंदे बैठे हैं। अजमेर से टोंक वाया श्रीनगर रामसर मालपुरा जाने के लिए यह मुख्य मार्ग है। इस मार्ग से कहीं अधिकारी एवं ग्रामीण गुजरते हैं लेकिन यह समस्या लंबे समय से है। नजदीक रहने वाले ग्रामीणों का कहना है कि रामसर कस्बे की श्री नगर रोड पर पूरे कस्बे का कचरा डाला जाता है ।जिससे ग्रामीणो को बहुत परेशानी का सामना करना पड रहा है। ग्रामीणो ने बताया कि उक्त स्थान पर कचरा डालने से वहा निवास कर रहे परिवार जनो व राहगीरो को आवागमन मे परेशानी हो रही है। वही मच्छरो के पैदा होने से भी कई बीमारियो से ग्रामीणो को जूझना पड रहा है। इस समस्या से निजात दिलाने कै लिए ग्राम पंचायत मे शिकायत दर्ज करवाई परन्तु इस शिकायत पर कोई कार्रवाई नही हुई। जिससे ग्रामीणो मे रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने विकास अधिकारी श्रीनगर एवं उपखंड अधिकारी नसीराबाद से मामले में दखल देकर ग्राम पंचायत सरपंच से गंदगी के ढेर हटाने को लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान के तहत जयपुर मेट्रो डिपो में श्रमदान शिविर का हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर। जयपुर मेट्रो में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 ''स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'' थीम पर जयपुर मेट्रो में आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत मानसरोवर मेट्रो डिपो के बाहरी हिस्से में कर्मचारियों, अधिकारियों एवं समस्त स्टॉफ द्वारा श्रमदान किया गया। इस श्रमदान शिविर के दौरान श्रम सेवकों द्वारा मेट्रो डिपो के मुख्य गेट के आसपास अनावशयक कांटेदार झाड़ियों, कीचड़, मिट्टी, गंदगी, कचरा एवं नालों की साफ-सफाई की गयी।
इस अवसर पर जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वैभव गालरिया ने संदेश दिया कि स्वच्छता अभियान का उद्देशय न केवल देश को स्वच्छ बनाना है, बल्कि सभी नागरिकों के भीतर स्वच्छता को एक आदत के रूप में स्थापित करना है।

झुंझुनूं जिले में डीएसटी की कार्रवाई

25 हजार के इनामी को दस्तयाब कर सीकर पुलिस को सौंपा, सीकर जिले में टॉप 10 वांटेड है आरोपी

चमकता राजस्थान। जयपुर/झुंझुनू! (खलील कुरैशी) 26 सितंबर। झुंझुनू जिले की डीएसटी द्वितीय द्वारा सीकर जिले में 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश अमित कुमार पुत्र श्रीचंद जाट (24) निवासी सिगनोर थाना गुढ़ा गोड़जी को नवलगढ़ थाना इलाके के बाय गांव से दस्तयाब कर सीकर पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। आरोपी सीकर जिले के टॉप 10 वांटेड की सूची में शामिल है।एसपी शरद चौधरी ने बताया कि वांछित अपराधियों की तलाश के लिए जिले में विशेष अभियान चलाया हुआ है। इस संबंध में जिला स्पेशल टीम व सभी थानों को आवशयक निर्देश जारी किए हुए हैं। आरोपी अमित कुमार सीकर जिले के उद्योग नगर थाने में दर्ज डकैती के दौरान जानलेवा हमला व फायरिंग के मामले में फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी पर सीकर पुलिस द्वारा 25000 का इनाम घोषित कर टॉप 10 वांछितों की सूची में शामिल किया गया।आरोपी झुंझुनू जिले के गुढ़ागौड़जी थाना इलाके का रहने वाला है। वांछित बदमाशों की तलाश के दौरान जिले की डीएसटी द्वितीय को इसके बारे में आसूचना प्राप्त होने पर प्रभारी विक्रम सिंह मय टीम द्वारा इसे नवलगढ़ थाना क्षेत्र के बाय गांव से दस्तयाब किया गया आरोपी के विरुद्ध जिले के गुढ़ागौड़जी एवं मुकुंदगढ़ थाने में भी पूर्व में लूट, फायरिंग तथा जानलेवा हमले के दो मुकदमे दर्ज हुए हैं। आरोपी अपराध करने के बाद भूमिगत हो जाता है। इस कार्रवाई में डीएसटी के कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार व अमित मोड़सरा की विशेष भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

भीलवाड़ा के युवा खिलाड़ियों ने खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से की आत्मीय मुलाकात

● कहा, राइजिंग राजस्थान के लिए भीलवाड़ा है तैयार

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)! 26 सितंबर। भीलवाड़ा के तीन युवा फुटबॉल खिलाड़ी शिवांश बोहरा, वैदिक छाबड़ा और अद्रित मानसिंह ने राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य, युवा मामले एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से गरूवार को मुलाकात की।

● भीलवाड़ा राइजिंग राजस्थान के लिए तैयार

खिलाड़ियों ने मंत्री कर्नल राठौड़ को बताया कि भीलवाड़ा राइजिंग राजस्थान के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा को राजस्थान का मैनचेस्टर कहा जाता है लेकिन अब समय आ गया है कि मैनचेस्टर खुद को टेक्सटाइल का भीलवाड़ा कहे।

● राइजिंग राजस्थान समिटः एक नए युग की शुरुआत

गौरतलब है कि भीलवाड़ा जिला कलक्टर नमित मेहता राइजिंग राजस्थान के लिए लगातार बैठकें ले रहे हैं। इस के लिए भीलवाड़ा में 9 नवंबर को प्रारम्भिक आयोजन होगा । जयपुर में 9-11 दिसंबर तक राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य राजस्थान को निवेश के लिए प्रमुख स्थान बनाना है।

रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव के लिए ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) शुरू

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी), 26 सितम्बर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया की राज्य निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन के निर्देशानुसार 26 सितम्बर, गुरूवार से अलवर जिले के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के उप चुनाव के लिए ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) की प्रक्रिया राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में शुरू हो गई है।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शी चुनाव के लिए मशीनों की जांच प्रक्रिया मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में होती है। एक विधानसभा क्षेत्रा के लिए मतदान के लिए आवशयक कुल मशीनों की संख्या के 200 प्रतिशत की प्रथम स्तरीय जांच की जाती है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में आज रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरू के 6 विशेषज्ञ इंजीनियरों की टीम द्वारा ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच का कार्य प्रारंभ किया गया है। यह कार्य 2 अक्तूबर तक पूरा होना संभावित है। एफएलसी प्रक्रिया के दौरान ईवीएम की बैलेट यूनिट (बीयू), कंट्रोल यूनिट (सीयू) और वीवीपीएटी की जांच की जाती है। अलवर के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में उप चुनाव के दौरान लगभग 281 केन्द्रों पर मतदान होगा। इसके लिए जिले में 562–562 बीयू, सीयू और वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि एफएलसी की प्रक्रिया की मॉनिटरिंग उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती संजू शर्मा एवं उनके दल की गई। एफएलसी के बाद ईवीएम मशीनों की प्रथम रेंडमाइजेशन भारत निर्वाचन आयोग की ओर से उप चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद होगा।उन्होंने बताया कि एफएलसी के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि जितेन्द्र शर्मा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रतिनिधि रामप्रकाश शर्मा, आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधि दिव्यन्दु शर्मा व जगन्नाथ गोयल तथा सीपीआई (एम) के प्रतिनिधि भोलाराम मौजूद रहे।

महाराजा सूरजमल की छतरी को अपमानजनक तरीके से तहस नहस करने के मामले में मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान

जयपुर। बुंदी के हाड़ा वंश के पूर्व शासक महाराजा सूरजमल जी की 600 वर्ष पुरानी छतरी को कोटा विकास प्राधिकरण के गैर जिम्मेदार अधिकारियों के आदेश पर प्राधिकरण के कार्मिकों द्वारा स्थानीय निवासियों को विश्वास में लिए बिना प्राचीन धरोहरों को विस्थापित करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन न करते हुए अपमानजनक तरीके से खउइ चलाकर तहस नहस कर दिया गया है जो हमारे प्रदेश की उन्नत ऐतिहासिक धरोहर के प्रति डऊअ प्रशासन की आपराधिक मानसिकता का परिचायक है। कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा कुछ निचले स्तर के कर्मचारियों को निलंबित करने एवं छतरी निर्माण के लिए अन्यत्र भूमि उपलब्ध करवाने की बात कर इस अपराध की गंभीरता पर लीपा पोती की जा रही है।
इसे लेकर संपूर्ण राजस्थान के राजपूत समाज सहित सभी समाजों में आक्रोश है। इतिहास से हमारा रागात्मक संबंध है, उसका तो संरक्षण होना चाहिए। इसके विपरित ऐसे ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को तोड़ा जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।
इस विषय के संबंध में श्री क्षत्रिय युवक संघ के आनुषंगिक संगठन श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रदेश में तहसील,उपखंड और जिला मुख्यालयों पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिए जा रहे है। इसी कड़ी में आज जयपुर में ज्ञापन दिया गया जिसमे करीब 500 उपस्थिति रहे।

मुख्यमंत्री से निम्न मांगे ज्ञापन के माध्यम से रखी गई :

» 1) महाराजा सूरजमल की छतरी को प्राचीन स्मारकों के विस्थापन के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन न करते हुए सामान्य अतिक्रमण की भांति तोड़ने का अपराध करने वाले व ऐसा करने का आदेश देने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को बर्खास्त कर उनके विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज करवाया जाए। 2) पूरे राजस्थान प्रदेश में ऐसे हजारों प्राचीन स्मारक बने हुए हैं, 100 वर्ष से अधिक पुराने ऐसे सभी स्मारकों के संरक्षण के लिए एवं जन आस्था के ऐसे स्मारकों के साथ पुनः ऐसी कोई गैर जिम्मेदाराना हरकत नहीं हो, इसकी रोकथाम के लिए एक स्पष्ट नीति निर्धारित कर उसे लागू किया जाए।

» 3) महाराजा सूरजमल की उक्त छतरी को उसी स्थान पर पूर्ण सम्मान के साथ उसके उसी स्वरूप में पुनःस्थापित करवाया जाए।

» 4) जिस हवाई अड्डे के निर्माण को लेकर यह गैरजिम्मेदाराना कार्यवाही की गई है, उसका नामकरण महाराजा सूरजमल जी के नाम से कर उनके प्रति आमजन की आस्था का सम्मान किया जाए।

मणिपाल ग्रीन फिट मैराथन का आयोजन 29 सितंबर विश्व हृदय दिवस पर जयपुर में

बॉलीवुड सिंगर रविंद्र उपाध्याय रनर्स में भरेंगे जोश एवं उत्साह, करेंगे प्रोत्साहित

● मैराथन 'रन फॉर ग्रीन अर्थ' स्लोगन के साथ आयोजित की जा रही है

चमकता राजस्थान

जयपुर,!(खलील कुरैशी)। आगामी 29 सितंबर, 2024 को विश्व हृदय दिवस के अवसर पर जयपुर के विद्याधर नगर में मोशन ब्रेन्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मणिपाल ग्रीन फिट मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। विद्याधर नगर क्षेत्र में पहली बार होने वाली इस टाइम रन मैराथन को लेकर शहरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजकों के अनुसार अब तक लगभग 1500 से अधिक लोगों ने मैराथन के लिए रजिस्ट्रेशन करवा लिया है, जिनमें हर वर्ग के शहरवासी शामिल हैं। इस मैराथन को मणिपाल हॉस्पिटल द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है, तथा इसके प्रायोजक तिलक बिल्डर्स और सह-प्रायोजक जयपुर फिट हैं। यह जानकारी आयोजक और मोशन ब्रेन्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक, वीरेंद्र सिंह ने दी।उन्होंने आगे बताया कि इस मैराथन का उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना भी है। मैराथन में तीन श्रेणियां रखी गई हैं, 3 किलोमीटर फन रन जिसमें लोग मनोरंजन के लिए दौड़ में हिस्सा ले रहे हैं। 5 किलोमीटर टाइम रन और 10 किलोमीटर टाइम रन इन दोनों श्रेणियों में प्रतिभागियों की दौड़ को समयबद्ध किया जाएगा जयपुर फिट के अरुण टेलर ने बताया कि मैराथन रन फॉर ग्रीन अर्थ स्लोगन के साथ आयोजित की जा रही है। जिसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और हरित भारत व हरित विश्व का संदेश देना है। इसलिए सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और टी-शर्ट के साथ एक पेड़ भी उपहार स्वरूप दिया जाएगा, ताकि वे पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकें। तिलक बिल्डर्स के राम टेलर ने जयपुर के व्यवसायों और रियल एस्टेट से जुड़े लोगों से मैराथन में भागीदारी दर्शाने की अपील की, उन्होंने कहा कि यह मैराथन स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ी है; तथा सामूहिक जागरूकता से ही ऐसे आयोजन साकार हो पाते हैं। सितंबर को सुबह 5 बजे सबसे पहले 10 किलोमीटर और उसके बाद 5 किलोमीटर टाइम रन विद्याधर नगर, सन एंड मून कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर, विद्याधर नगर स्टेडियम रोड से गुज़रते हुए वापस सन एंड मून कॉम्प्लेक्स पर समाप्त होगा। कार्यक्रम में प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाने के लिए बॉलीवुड सिंगर, रवींद्र उपाध्याय अपनी सुरीली आवाज़ में प्रस्तुति देंगे और पैरालंपिक में भारत को दो स्वर्ण पदक दिलाने वाले पहले भारतीय, देवेंद्र झाझड़िया भाग ले रहे रनर्स का उत्साहवर्धन करेंगे। मणिपाल हॉस्पिटल जयपुर, डायरेक्टर रंजन ठाकुर ने बताया कि विश्व हृदय दिवस पर मैराथन के आयोजन का उद्देश्य लोगों के बीच हृदय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता प्रसार है, उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इसमें भागीदार बनने का आ''ान किया है। हेड मार्केटिंग मणिपाल हॉस्पिटल रमेश धर्मानी ने कहा कि आज मैराथन की टी-शर्ट भी लांच की गयी।जयपुर फिट के अरुण टेलर ने बताया कि मैराथन रन फॉर ग्रीन अर्थ स्लोगन के साथ आयोजित की जा रही है। जिसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और हरित भारत व हरित विश्व का संदेश देना है। इसलिए सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और टी-शर्ट के साथ एक पेड़ भी उपहार स्वरूप दिया जाएगा, ताकि वे पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकें। तिलक बिल्डर्स के राम टेलर ने जयपुर के व्यवसायों और रियल एस्टेट से जुड़े लोगों से मैराथन में भागीदारी दर्शाने की अपील की, उन्होंने कहा कि यह मैराथन स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ी है; तथा सामूहिक जागरूकता से ही ऐसे आयोजन साकार हो पाते हैं।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर बंधाया ढांढस

● पात्रता के अनुसार परिवार को योजनाओं का त्वरित लाभ दिलवायें:- - गृह राज्य मंत्री

चमकता राजस्थान। जयपुर,(खलील कुरैशी) 26 सितम्बर। गृह, गौपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढ़म ने गुरूवार को भरतपुर स्टेडियम नगर में सुरेश चंद अग्रवाल के घर पहुंचकर गत दिनों पट्टियां गिरने से श्रीमती रीना की दुःखांतिका में हुई मृत्यु पर शोक जताते हुए हरसम्भव मदद देने का भरोसा दिया।गृह राज्यमंत्री ने कहा कि दुःख की इस घडी में राज्य सरकार आपके परिवार के साथ है, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं इस घटना पर खेद जताने के साथ घायलों को बेहतर उपचार के लिए अधिकारियों को निर्देश दे चुके हैं। मुख्यमंत्री ने परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए नियमानुसार सहायता के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया है। उन्होंने घटनाक्रम के बारे में पूरी जानकारी लेकर घटना स्थल का मौका मुआयना किया तथा जिला प्रशासन को विभिन्न योजनाओं में पात्रता के आधार पर त्वरित लाभ प्रदान करने के निर्देश प्रदान किये।गृह राज्यमंत्री ने सुरेश चंद के स्वरोजगार के लिए भी राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं में पात्रता के आधार पर आवेदन तैयार कराकर शीघ्र लाभ प्रदान करने के निर्देश दिये। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिवार को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं एवं अन्य विभागीय योजनाओं में भी तुरन्त लाभ प्रदान दिलवाया जाना सुनिश्चित करें। घटना में मृत श्रीमति रीना के पति ने बताया कि कक्षा 4 में अध्ययनरत देव घटना के दिवस विद्यालय की पोशाक बरसात में भीग जाने के कारण विद्यालय नहीं जा पाया था। प्रातः यह घटना घटित हुई जिसमें आसपास के नागरिकों एवं जिला प्रशासन की त्वरित सहायता से मलबे से निकाल सके। घायल बेटी को लेकर अस्पताल पहुँचे जहां से जयपुर के लिये रैफर किया गया। जयपुर के अस्पताल मे राज्य सरकार के निर्देश पर चिकित्सा की समुचित व्यवस्थाऐं कर बेहतर ईलाज किया जा रहा है।

स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में अब विश्वस्तरीय रेडियोथेरेपी की सुविधा से कैंसर रोगियों को मिलेगी बड़ी राहत

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने किया अत्याधुनिक लीनियर एक्सीलेटर एवं सीटी सिम्युलेटर मशीनों का लोकार्पण

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 26 सितम्बर। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में अब अत्याधुनिक रेडियो थेरेपी मशीन से कैंसर रोगियों को विश्व स्तरीय उपचार मिल सकेगा। यह मशीन बेहद कम समय में कैंसर ट्यूमर खत्म कर देती हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में स्थापित की गई लीनियर एक्सेलरेटर मशीनों और सीटी सिम्युलेटर मशीन का गुरूवार को लोकार्पण किया। प्रदेश में रेडियोथेरेपी की यह नवीनतम मशीनें हैं। इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री ने मीडिया को बताया कि करीब 54 करोड़ रूपए की लागत से स्थापित इन अत्याधुनिक मशीनों के प्रारंभ होने से ब्रेस्ट, लंग, हैड और नेक कैंसर की जांच एवं उपचार में बड़ी मदद मिलेगी। लाखों रुपए खर्च कर होने वाला उपचार यहां निःशुल्क प्राप्त हो सकेगा। इन मशीनों से ट्यूमर का पता लगाने एवं रेडियोथेरेपी में सटीकता आएगी तथा कैंसर रोगियों को विश्वस्तरीय उपचार मिल सकेगा।फोकस रेडिएशन से त्वरित उपचार स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के अधीक्षक डॉ. संदीप जसूजा ने बताया कि रेडियोथेरेपी की ये लीनियर एक्सेलरेटर मशीनें कहीं अधिक फोकस रेडिएशन एक्सपोजर देती हैं जिससे ट्रीटमेंट टाइम बहुत कम हो गया है और इलाज भी आसान हो गया है। नवीनतम मशीनें स्टीरियो टैक्सी सर्जरी कर सकती हैं जिससे एक ही बार में ट्यूमर खत्म हो सकता है। साथ ही आसपास के कैंसर सेल्स भी खत्म हो जाते हैं। इसमें रेडिएशन का पूरा प्रोसीजर 2 मिनट में खत्म हो जाता है। पहले की तरह रेडियोथेरेपी कराने वाले मरीजों में त्वचा पर कालापन आने और दूसरे साइड इफेक्ट्स इस मशीन से नहीं होंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा यह रहेगा कि रेडिएशन एक्सपोजर के समय आसपास के अंगों को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचेगा।
मरीज के इलाज से पहले मशीन में होगी वर्चुअल प्लानिंग नई सीटी सिम्युलेटर मशीन से मरीज को स्कैन कर उसके ट्रीटमेंट की प्लानिंग सॉफ्टवेयर में ही वर्चुअली ही की जा सकेगी। इससे इलाज और ज्यादा सटीक हो जाएगा और इलाज के दौरान होने वाली जटिलता का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। ये सभी मशीनें शुक्रवार से सेवाएं देना शुरू कर देंगी। पूरे देश में कुछ ही सेंटर्स पर ऐसी तकनीक उपलब्ध है।लोकार्पण समारोह में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, चिकित्सा शिक्षा सचिव अंबरीश कुमार, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ सुशील भाटी, स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. शांतनु शर्मा, ऑन्कोलॉजी विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. रामेश्वरम शर्मा और डॉ. रविंद्र सिंह गोठवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संसदीय कार्य मंत्री की अध्यक्षता में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित,

● बजट घोषणाओं के धरातल पर क्रियान्वयन के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है : संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 26 सितंबर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में गुरुवार को जोधपुर में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में क्षेत्र की पेयजल समस्याओं और जलापूर्ति के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री ने जल संरक्षण एवं संग्रहण,जल प्रबंधन और ग्राम स्तर पर पेयजल की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवशयक दिशा-निर्देश दिए।
संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में जनकल्याण एवं सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्प हैं। राज्य में भविष्य की पेयजल आवशयकताओं को ध्यान में रखकर जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा रहा है। पटेल ने कहा राज्य बजट में पेयजल परियोजनाओं संबंधी घोषणाओं का धरातल पर क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया गया है। सभी परियोजनाओं का तय समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है। पटेल ने कहा हमारा उद्देश्य है कि विधानसभा क्षेत्र लूणी के हर गाँव और ढाणी तक समुचित जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। बेहतर जल प्रबंधन कर आमजन के लिए जलापूर्ति का स्थाई रूप समाधान के लिए रोडमैप बनायें। उन्होंने कहा जल संसाधनों के संरक्षण और उनके उचित उपयोग के लिए विभाग को सामुदायिक सहयोग से कार्य करने की आवशयकता है।पटेल ने लूणी क्षेत्र में पेयजल परियोजनाओं एवं जल जीवन मिशन के कार्यों को तय समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

'मेक इन इंडिया' के 10 वर्ष

हम सब मिलकर बनाएंगे आत्मनिर्भर और विकसित भारत : नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री ने विनिर्माण में भारत की जबरदस्त क्षमता को किया उजागर : अमित शाह

नयी दिल्ली/एजेंसी।

'मेक इन इंडिया' के 10 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन पिछले एक दशक से उन सभी लोगों के लगातार प्रयासों का परिणाम है, जो इसे सफल बनाने के लिए काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज हम मेक इन इंडिया के 10 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। मैं उन सभी लोगों को बधाई देता हूं जो पिछले एक दशक से इस अभियान को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। 'मेक इन इंडिया' हमारे देश को विनिर्माण और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है।

'हम सब मिलकर बनाएंगे आत्मनिर्भर और विकसित भारत'

पीएम मोदी ने कहा कि यह उल्लेखनीय है कि विभिन्न क्षेत्रों में निर्यात कैसे बढ़ा है, क्षमताएं निर्मित हुई हैं और इस प्रकार से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। भारत सरकार हर संभव तरीके से 'मेक इन इंडिया' को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सुधारों में भारत की प्रगति भी जारी रहेगी। हम सब मिलकर एक आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण करेंगे!

आत्मनिर्भर भारत, युवाओं के लिए अवसरों की दुनिया : अमित शाह

वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने विनिर्माण में भारत की जबरदस्त क्षमता को उजागर किया है। आत्मनिर्भर भारत के मंत्र के साथ, हमारा देश विनिर्माण में अग्रणी और निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरा है, जिससे हमारे युवाओं के लिए अवसरों की दुनिया बन गई है।

'मेक इन इंडिया' अभियान का उद्देश्य

आपको बता दें कि 'मेक इन इंडिया' अभियान का उद्देश्य भारत को विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है, ताकि रोजगार के नए अवसर पैदा हो और देश की आर्थिक स्थिति और मजबूत हो सके। सरकार ने इस अभियान के तहत, स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए कई नीतियां लागू की हैं। 25 सितंबर, 2014 को 'मेक इन इंडिया' पहल शुरू की गई थी। यह 'वोकल फॉर लोकल' पहल में से एक है जिसने देश के विनिर्माण क्षेत्र को दुनिया के सामने बढ़ावा दिया।

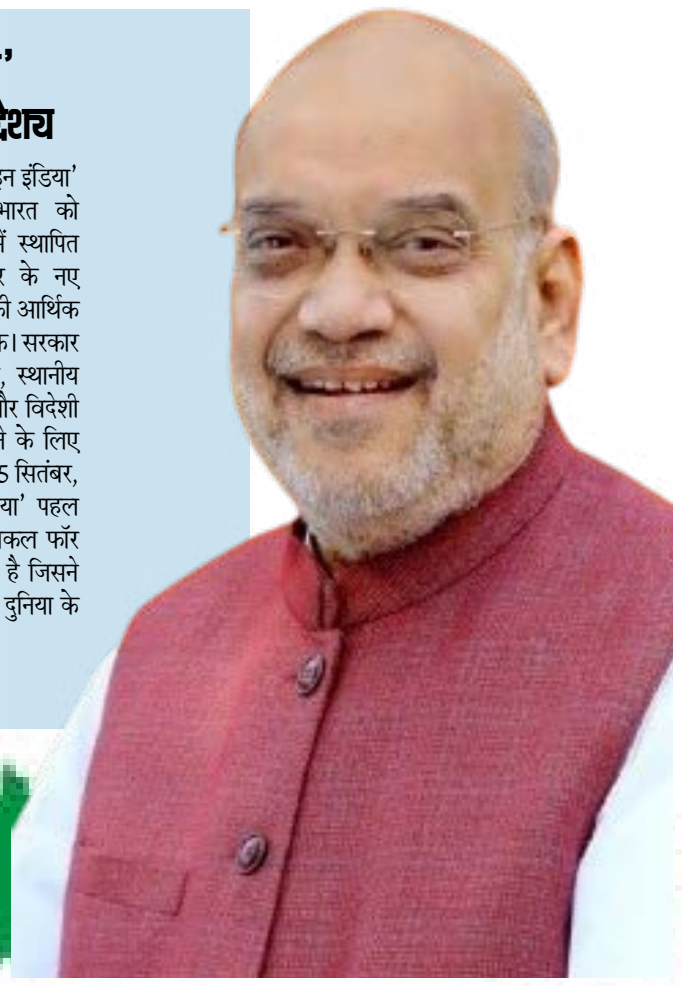

संभल में पांच साल के मासूम को कुत्तों ने नोचकर मार डाला,

- घर के बाहर खेल रहा था घर का इकलौता चिराग

संभल/एजेंसी। उत्तर प्रदेश के संभल में घर के बाहर खेल रहे 5 साल के मासूम बच्चे पर खूंखार कुत्तों ने हमला कर उसे मार डाला। शोर मचाने पर आस पास के लोगों ने बच्चे को कुत्तों से छुड़ाया और उसे सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां ईलाज के दौरान मासूम की मौत हो गयी। मृतक बच्चा अपने परिवार का इकलौता बेटा था। घटना संभल के ऐंचोड़ा कंबोह थाना क्षेत्र के गांव सिरपुड़ा की है। शान अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। देर शाम बच्चे के शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। बच्चा घर के बाहर खेल रहा था कि खूंखार कुत्तों के झुंड ने बच्चे पर हमला कर दिया। चीख सुनकर जब तक परिजन और मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे तब तक कुत्तों ने बच्चे को बुरी तरह जख्मी कर दिया था। बच्चे के चेहरे के साथ ही शरीर के अन्य अंगों पर गहरे जख्म हो गए थे। उसे इलाज के लिए परिजन तुरंत सीएचसी असमोली ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान बच्चे की मौत हो गई। हाल के दिनों में बच्चों पर कुत्तों के हमले बढ़े हैं। आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए ज़िम्मेदार विभाग गहरी नींद सो रहे हैं, जिस से मासूमों की जान जा रही है।

भीषण सड़क हादसे

कार ट्रक की भिड़ंत में 7 की दर्दनाक मौत, एक गंभीर रूप से घायल

साबरकांठा/एजेंसी।

गुजरात के साबरकांठा जिले में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज गति से आ रही कार पीछे एक ट्रक में जा घुसी। इस दुर्घटना में 7 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। एक शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि कार में सवार कुछ लोग श्यामला जी मंदिर का दर्शन करके अहमदाबाद लौट रहे थे। यह दुर्घटना तेज गति और भारी वाहनों से टकराने के खतरों को उजागर करती है। सड़क सुरक्षा और गति सीमा का पालन करना ऐसे हादसों से बचने का सबसे अच्छा उपाय है। यह घटना इतनी भयानक थी कि कार में सवार लोगों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला गया। पूरी कार कबाड़ में तब्दील हो गई। कार को कटर से काटकर शव बाहर निकाले गए। कार के अंदर कुल आठ लोग सवार थे। इसमें से एक शख्स को छोड़कर सभी की जान चली गई। हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग अहमदाबाद के निवासी थे, जो इस घटना को और भी दुखद बनाता है। हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ, जो संकेत देता है कि यात्रा के दौरान शायद नींद या थकान का असर हो सकता है, जो इस तरह की दुर्घटनाओं का एक आम कारण होता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और हादसे वाली जगह का मुआयना किया। यह कदम महत्वपूर्ण है ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके और आवश्यक जांच की जा सके।

घर पर गर्भपात के बाद महिला की मौत, भ्रूण को खेत में दफनाया

- महिला के पति और ससुर गिरफ्तार, सास पर भी मामला दर्ज

पुणे/एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे जिले में मंगलवार को अपने घर पर गर्भपात कराने की प्रक्रिया के दौरान 24 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना के बाद महिला के पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया गया है। ठाणे पुलिस अधिकारी ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि इस मामले में तीन लोगों पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, जांच में पता चला है कि चार महीने के भ्रूण को परिवार ने खेत में दफनाया दिया था। पुलिस ने कहा कि गर्भपात करने के लिए बुलाए गए एक निजी डॉक्टर की भी जांच की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि वह चार महीने की गर्भवती थी। मृतक महिला ने 2017 में आरोपी से शादी की थी और उसके दो बच्चे (एक लड़का और एक लड़की) हैं। तीसरी बार गर्भवती होने पर जब परिवार को पता चला की भ्रूण लड़की का है, तो उन्होंने घर पर ही गर्भपात की कोशिश की। इंदापुर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को महिला की हालत बहुत ज़्यादा रक्तस्राव के कारण बिगड़ गई थी। अगले दिन (सोमवार को) उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक महिला के भाई की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस अधिकारी ने कहा कि पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया गया है और सास पर भी मामला दर्ज किया गया है। खेत से भ्रूण को निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने पुणे ग्रामीण पुलिस के इंदापुर पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 91, 90 और 85 के तहत मामला दर्ज किया है और मामले में आगे की जांच जारी है।

जम्मू कश्मीर को मिलेगा राज्य का दर्जा

बहाल करने के लिए सड़कों पर उतरेगा 'इंडिया' गठबंधन : राहुल गांधी

श्रीनगर/एजेंसी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल नहीं करती है तो 'इंडिया' गठबंधन संसद के भीतर अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल करेगा और सड़कों पर भी उतरेगा। जम्मू में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य को 2019 में दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर प्रदेश के लोगों के साथ बड़ा अन्याय किया गया था। यह तकरीबन पिछले तीन सप्ताहों में राहुल का जम्मू कश्मीर का तीसरा दौरा है। उन्होंने 18 सितंबर को विधानसभा चुनाव के पहले चरण से पूर्व चार सितंबर को बनिहाल और डूरू निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा किया था। उन्होंने आज दूसरे चरण के मतदान से पहले 23 सितंबर को सुरनकोट और सेंट्रल-शाल्टेंग का दौरा किया था। बुधवार को जम्मू पहुंचने के तुरंत बाद राहुल ने एक होटल में पेशेवरों के साथ बातचीत की और इसके बाद एक जनसभा को संबोधित करने के लिए जेके रिजॉर्ट ग्राउंड रवाना हो गए। जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए काम करने का संकल्प दोहराते हुए राहुल ने कहा, 'भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि हमने किसी राज्य का दर्जा छीन लिया हो और उस राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया हो।' उन्होंने रैली में कहा, 'ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था और मैं आपको गारंटी देता हूं कि अगर भाजपा (चुनाव के बाद) राज्य का दर्जा बहाल नहीं करती है, तो हम - 'इंडिया' गठबंधन, जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लोकसभा, राज्यसभा में अपनी पूरी ताकत लगाएंगे और यहां तक कि सड़कों पर भी उतरेंगे।' उन्होंने आरोप लगाया कि उपराज्यपाल के माध्यम से 'बाहरी लोगों' को फायदा पहुंचाने के लिए जम्मू कश्मीर से राज्य का दर्जा छीन लिया गया। राहुल ने कहा, 'जब तक उपराज्यपाल हैं, बाहरी लोगों को फायदा मिलेगा और स्थानीय लोगों को नजरअंदाज किया जाता रहेगा। यही वजह है कि जम्मू कश्मीर से राज्य का दर्जा छीन लिया गया। वे चाहते हैं कि जम्मू कश्मीर को बाहरी लोग चलाए न कि स्थानीय लोग।' उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से कहा कि राज्य का दर्जा बहाल होना 'आपका अधिकार और आपका भविष्य' है तथा जम्मू कश्मीर इसके बगैर आगे नहीं बढ़ सकता।

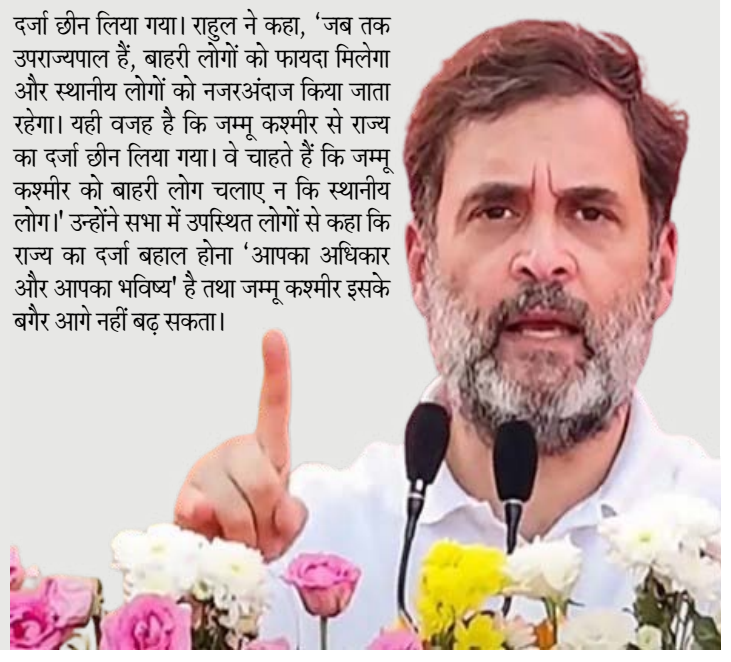

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर , मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे , कभी भी स्थिर नही रहे । जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे। उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी। राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी। मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी। दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी। राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा। ...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर हृदय कहलाए। राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें , वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के हृदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना। स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने हृदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई। तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया। उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे। सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के हृदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन ।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही मुक्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कुछ आसान और
अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं ।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना ।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान ।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच ?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

तम्बाकू एवं नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

चिकित्सा मंत्री ने किया टोबेको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 का शुभारम्भ

राजस्थान को बनाएं तंबाकू मुक्त प्रदेश : चिकित्सा मंत्री

चमकता राजस्थान

(खलील कुरेशी)। जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गुरूवार को दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंध संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदेशभर में टोबेको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 का शुभारम्भ किया। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू एवं नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई। उन्होंने सभी से तम्बाकू की रोकथाम करने में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए और राजस्थान तम्बाकू मुक्त प्रदेश बनाने में सहयोग की अपील की। इस इस अवसर पर उन्होंने तंबाकू टोबैको फ्री यूथ कैंपेन के पोस्टर का भी विमोचन किया !चिकित्सा मंत्री ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में युवा एक लीडर के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। आज का भारतीय युवा विश्वभर में हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को जीत सकता है। लेकिन उसे भी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक है। किशोर- किशोरियां फिल्में देखकर धूम्रपान को स्टेटस सिंबल मानने लगा है, यह सही

नहीं है। युवाओं को तंबाकू की लत को छोड़ने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है! और हम सबकी जिम्मेदारी है! कि हम इस अभियान के माध्यम से युवाओं को तंबाकू उपयोग न करने और इसके दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देकर तंबाकू मुक्त प्रदेश बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है! कि प्रदेश में तंबाकू नियंत्रण एवं जनजागरूकता की दिशा में प्रभावी प्रयास निरंतर जारी हैं। तम्बाकू नियंत्रण एवं रोकथाम की दिशा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर टोबेको कंट्रोल एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत जन-जागरूकता के साथ तम्बाकू नियंत्रण के नियमों की प्राथमिकता से पालना करवाई जाएगी। मुझे विश्वास है! कि सभी एकजुट होकर तम्बाकू मुक्त प्रदेश तथा आयुष्मान राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि तम्बाकू सेवन एवं नशीले पदार्थों के सेवन से कैंसर, अस्थमा, हृदय, रोग, टीबी आदि भयावह रोग होने की संभावना होती है !प्रतिवर्ष भारत में लगभग 13 लाख 50 हजार और इसी प्रकार राज्य में भी लगभग 200 लोगों की मृत्यु प्रतिदिन तम्बाकू जनित रोगों से हो जाती है। यह बेहद चिंता का विषय है। टोबेको उपयोग दर में कमी लाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य की बात है! कि बड़ी संख्या में बच्चे एवं युवा तंबाकू की लत का शिकार हो रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा सम्पूर्ण भारत में टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन प्रारम्भ किया गया है। उन्होंने कहा कि तंबाकू की लत से पीड़ित नवयुवकों को तम्बाकू विमुक्त एवं नशा मुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने हेतु स्वयंसेवी संस्थाओं व जनसहभागिता से सामूहिक प्रयासों को और बढ़ाया जाएगा। मिशन निदेशक एनएचएम भारती दीक्षित ने टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों के संबंध में जनजाग्रति, तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान, तंबाकू मुक्त ग्राम बनाने, तंबाकू नियंत्रण अधिनियमों की पालना एवं सोशल मीडिया द्वारा जागरूकता जैसी विभिन्न गतिविधियां प्रत्येक स्तर पर आयोजित की जाएंगी' उन्होंने बताया कि इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा एक डैशबोर्ड भी तैयार किया गया है, जिसके तहत इन गतिविधियों की मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी।

निदेशक आईईसी शाहीन अली खान ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने स्वागत उद्बोधन देते हुए अभियान के मुख्य बिंदुओं से अवगत कराया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त फूड सेफ्टी पंकज ओझा, निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत राणावत सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

जिला स्तरीय टीमों का आमुखीकरण

» राज्य नोडल अधिकारी राज्य तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ डॉ. एसएन धौलपुरिया ने बताया कि शुभारम्भ कार्यक्रम से पूर्व प्रातः तकनीकी सत्र में जिला स्तरीय टीमों का टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 2.0 की कार्ययोजना के संबंध में ओरिएंटेशन प्रदान किया गया है। साथ ही राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन में मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह ने नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी प्रदान की। तम्बाकू नियंत्रण पर मोटिवेशनल फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। एसएमएस मेडिकल कॉलेज में ईएनटी विभाग के प्रो. पवन सिंघल ने तम्बाकू एक मानव त्रासदी– कारगर उपायों एवं रणनीतियों पर प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

संक्षिप्त समाचार

अवैध अतिक्रमण पर चला ,प्रशासन का पंजा,मल्हार गंज तिराहे पर प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

चमकता राजस्थान / रमेश मोदी। चौमहला /झालावाड़। गंगधार चौमहला मार्ग पर स्थित मल्हारगंज तिराहे पर दुकानदारों द्वारा दुकानों के आगे किये अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही करते हुवे जेसीबी मशीन की मदद से हटा दिया है , मौके पर राजस्व विभाग ,पी डब्ल्यू डी विभाग ,व पुलिस प्रशासन की टीमें मौजूद रही। पी डब्ल्यू डी के सहायक अभियंता हितेश झा ने मीडिया को बताया कि मल्हारगंज तिराहे पर डग ,चौमहला ,आलोट जाने के लिए मुख्य सड़क है दुकानदारों ने दुकानों के आगे अवैध अतिक्रमण किया हुवा था जिससे यातायात में भारी परेशानी आ रही थी ,जिसको हटाने के लिए दुकान दारो को मौखिक रूप से कहा गया था ,उसके बाद इन्हें नोटिस जारी कर सूचित किया गया था ,जिसपर भी इन्होंने कोई ध्यान नही दिया और अतिक्रमण नही हटाये ,फिर इनको फाइनल नोटिस देक र पांच दिन का समय दिया गया था ,उसके बाद भी अतिक्रमण नही हटाए ,इसपर विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुवे प्रशासन की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम दिया गया ।वही कुछ दुकानदारों का आरोप है कि हमे इसकी सूचना नही थी न ही नोटिस दिया गया ।

मुंबई में राजीव अरोड़ा को मिला आइकॉन ऑफ ज्वैलरी इंडस्ट्री पुरस्कार

चमकता राजस्थान। जयपुर। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में चल रहे चार दिवसीय इंडिया जेम एंड ज्वैलरी शो (जीजेएस) में जयपुर के प्रतिष्ठित ज्वैलरी ब्रांड आम्रपाली ज्वैल्स के फाउंडर राजीव अरोड़ा को आइकॉन ऑफ ज्वैलरी इंडस्ट्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में जेम्स एंड ज्वैलरी फोमेस्टिक काउंसिल की तरफ़ से आम्रपाली के संस्थापक राजीव अरोड़ा को यह पु- रस्कार दिया गया।

राजीव अरोड़ा ने इस अवसर पर कहा कि यह सम्मान ज्वैलरी सेक्टर में आम्रपाली और पूरे जयपुर के लिए गर्व का विषय है। यह पु- रस्कार आम्रपाली के साथ काम करने वाले सभी हुनरमंद कारीगरों और सहायकों की मेहनत का परिणाम है। अरोड़ा ने कहा कि हमारी उत्कृष्टता पर आज पूरी दुनिया भरोसा करती है, तथा आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आम्रपाली की बढ़ती ख्याति जयपुर के साथ ही समूचे राजस्थान को गौरवान्वित करती है।

उल्लेखनीय है कि चार दशक पहले स्थापित आम्रपाली ज्वैल्स आज दुनियाभर में भारतीय संस्कृति और विरासत को दर्शाते ज्वैलरी ब्रांड के रूप में जाना जाता है। इसके आभूषणों की कलात्मकता, कारीगरी और बारीकी के चलते इसे कई मंचों पर सम्मानित किया जा चुका है।

विद्युत निगम कनिष्ठ अभियंता से की मारपीट तो विद्युतकर्मियों में फूटा गुस्सा

चमकता राजस्थान

भरतपुर, नदबई(राजवीर सिंह) । क्षेत्र के गांव डहरा में बकाया विद्युत बिल वसूली दौरान डहरामोड कनिष्ठ अभियंता से मारपीट करने के मामलें में दो दिन बाद भी आरोपियों को गिरफ्तार नही होने के चलते गुरुवार को विद्युतकर्मियों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने व मिलीभगत के चलते आरोपियों को गिरफ्तार नही करने का आरोप लगाते हुए जमकर नाराजगी जताई। वही, अधिशाषी अधिकारी को ज्ञापन देते हुए आरोपियों को गिरफ्तार नही होने पर कार्य बहिष्कार करने को कहा। बाद में अधिशाषी अधिकारी दीपा यादव ने विद्युतकर्मियों से समझाइस करते हुए उच्चाधिकारियों को मामलें से अवगत कराने का आश्वासन दिया।

इससे पहले विद्युतकर्मियों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नही होने के चलते आरोपियों के हौसलें बुलन्द होने व बकाया बिजली बिल वसूली दौरान

विद्युतकर्मियों में भय होने के बारे में बताया। वही, मामला दर्ज होने के दो दिन बाद भी आरोपियों को गिरफ्तार नही होने के चलते पुलिस पर आरोपियों से मिलीभगत होने का आरोप लगाते हुए जमकर नाराजगी जताई। गौरतलब है कि, मंगलवार को डहरामोड जीएसएस कनिष्ठ अभियंता नितिन डागुर के नेतृत्व में खटौटी फीडर प्रभारी शीलेन्द्र कुमार व हन्तरा फीडर प्रभारी धर्मेन्द्र जाटव बकाया बिजली राशी वसूलने की कार्रवाई कर रही। बकाया बिल जमा नही करने पर कनिष्ठ अभियंता ने विद्युतकर्मियों को डहरा निवासी पायल का विद्युत कनेक्शन काटने को कहा। विद्युतकर्मी धर्मेन्द्र जाटव ने विद्युत पोल पर चढकर कनेक्शन काटने का प्रयास किया। इसी बीच डहरा निवासी रविन्द्र उर्फ रवि पुत्र जगदीश ने विद्युतकर्मी को जाति-सूचक से अपमानित करते हुए मौके पर मौजूद कनिष्ठ अभियंता से मारपीट शुरु कर दी। वही, विभागीय दस्तावेज फाड़कर बर्बाद कर दिए। बाद में विद्युत निगम कनिष्ठ अभियंता नितिन डागुर ने आरोपी रविन्द्र उर्फ रवि सहित पत्न ी पायल व उसके पुत्र के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया।

- विद्युतकर्मियों का पुलिस पर मिलीभगत का आरोप-मामला दर्ज पर दो दिन बाद भी आरोपियों को नही किया गिरफ्तार
- विद्युतकर्मियों ने अधिशाषी अधिकारी को दिया ज्ञापन, आरोपी गिरफ्तार नही होने पर कार्य बहिष्कार की चेतावनी

कौशल रोजगार एवं उद्यमिता शिविर में 3 हजार से ज्यादा उम्मीदवारों ने लिया भाग

- राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय सांभर लेक में हुआ आयोजन
- 350 उम्मीदवारों का प्रशिक्षण एवं 210 उम्मीदवारों का स्वरोजगार के लिए हुआ चयन

चमकता राजस्थान। जयपुर,! (खलील कुरैशी)। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा गुरुवार 26 सितंबर 2024 को सांभरलेक स्थित राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक दिवसीय कौशल, रोजगार, उद्यमिता शिविर एवं करियर सेमिनार का आयोजन हुआ।उप-प्रादेशिक रोजगार कार्यालय की उप निदेशक नवरेखा ने समारोह में अपने अनुभव साझा किये और विद्यार्थियों को प्रेरित किया और रोजगार के अवसरों तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने बताया कि शिविर में 3 हजार 296 बेरोजगार युवा पंजीकृत हुए।

शिविर में निजी क्षेत्र के 40 संस्थान एवं सार्वजनिक क्षेत्र के 08 संस्थानों ने भाग लेकर कुल 1 हजार 267 आशार्थियों को लाभान्वित किया। 707 आशार्थियों का प्रारम्भिक चयन, 350 आशार्थियों को प्रशिक्षण हेतु चयनित किया साथ ही 210 आशार्थियों का स्वरोजगार हेतु चयन किया गया। वहीं, करियर काउंसलिंग सत्र में विषय विशेषज्ञों ने युवाओं को बेहतर भविष्य की राह दिखाई इस मेले को आयोजित कराने में आयकर अधिकारी रमेश सांभरिया, नागरिक विकास समिति, सांभर लेक के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल गटटानी, प्रोफेसर (डॉ.) ज्ञान प्रकाश दायमा जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हाईकोर्ट के रिटार्यड न्यायाधीश की अध्यक्षता में SIT बनाकर इस प्रकरण की जांच की जाए :गहलोत

चमकता राजस्थान

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर पोस्ट कर बयान जारी किया की संजीवनी प्रकरण को लेकर केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा दायर एक मुकदमे में हाईकोर्ट का फैसला वर्तमान में अदालत के साएफमने SOG द्वारा रखे गए तथ्यों के आधार पर आया है। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद SOG ने हाईकोर्ट में यू-टर्न ले लिया।

उन्होंने लिखा कि इस केस के जांच अधिकारी (IO) को भी हटा दिया गया एवं भाजपा सरकार द्वारा नामित सरकारी वकीलों ने भी केन्द्रीय मंत्री का ही पक्ष लिया। इस सबके बावजूद हाईकोर्ट ने मंत्रीजी की याचिका के अनुरूप FIR को रद्द नहीं किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट की इजाजत लेकर आगे कार्रवाई की जा सकती है।

गहलोत ने पोस्ट में लिखा की

मेरा उद्देश्य लाखों पीड़ितों के साथ न्याय सुनिश्चित कर उनके जीवन की मेहनत की कमाई वापस उनको दिलवाने का है।

पूर्व मुख्य मंत्री गहलोत ने अपनी पोस्ट में लिखा की

SOG द्वारा 12 अप्रेल 2023 को राजकीय अधिवक्ता को लिखे गए पत्र क्रमांक SOG/SFIU/INV/2023/220 में इस केस की तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजी जिसके पेज नंबर 7 पर केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र शेखावत एवं उनके परिजनों की अपराध में संलिप्तता होने की बात लिखी और आरोपी माना। इस रिपोर्ट में लिखा गया कि जिन कंपनियों की संलिप्तता संजीवनी घोटाले में है उनसे मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का सीधा संबंध है।

उन्होंने लिखा की इस केस के सैकड़ों पीड़ितों ने मुझसे मुलाकात की तब मैंने SOG से इस मामले की जानकारी मांगी। तब SOG ने गृहमंत्री के रूप में मुझे इन तथ्यों एवं इस प्रकरण की प्रगति से अवगत करवाया। उन्होंने लिखा की गजेन्द्र शेखावत के प्रति कोई व्यक्ति द्वेष नहीं था। SOG की इस ब्रीफिंग के आधार पर ही मैंने मीडिया के सामने शेखावत एवं उनके परिजनों पर लगे आरोपों की जानकारी सामने रखी। शेखावत ने कल भी अपने बयानों में अपनी स्वर्गीय माताजी पर लगे आरोपों का जिक्र किया। मेरा उनकी स्वर्गीय माताजी के प्रति पूरा सम्मान है परन्तु राज्य के गृहमंत्री के रूप में मेरे सामने लाए गए तथ्यों को पीड़ितों एवं जनता के सामने रखा जाना मेरा कर्तव्य था।

अब राज्य में सरकार बदलने के बाद SOG पर भाजपा सरकार ने दबाव बनाया जिसके कारण SOG ने कोर्ट में यू-टर्न लिया और इन्हें आरोपी नहीं माना है।

मांग करते हुए लिखा है कि निष्पक्ष जांच के लिए हाईकोर्ट के रिटार्यड न्यायाधीश की अध्यक्षता में SIT बनाकर इस प्रकरण की जांच की जाए जिससे पता चले कि कांग्रेस शासन में SOG द्वारा गलत जांच की गई या अभी दबाव में SOG ने गलत रिपोर्ट तैयार की है। कांग्रेस सरकार के समय इस केस में SOG ने फॉरेंसिक ऑडिट तक करवाकर भी जांच की थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929